दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। गुरुवार 04 जुलाई -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 265 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

हाथरस हादसा : घटनास्थल पर पहुंचे सीएम योगी, कहा- दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा

हाथरस। हाथरस में मंगलवार कल सत्संग के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई है। भोले बाबा के सत्संग में यहां देश के कई राज्यों से भक्त पहुंचे थे। इस मामले को लेकर सीएम योगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसमें जो भी जिम्मेदार होगा, उसको कड़ी सजा मिलेगी।

आज सीएम ने हाथरस पुलिस लाइन में हालात का जायजा लेने के बाद सरकारी अस्पताल में भगदड़ की घटना में घायलों से मुलाकात की। घायलों से मुलाकात के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे हादसे में 121 भक्तों की मौत हुई है। जो उत्तर प्रदेश के साथ साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश से भी जुड़े हुए थे। वहीं प्रदेश में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, ललितपुर, फैजाबाद, आगरा जनपद के लोग शामिल हैं। हाथरस के जिला अस्पताल में कई लोगों का इलाज चल रहा है। इस घटना के चश्मदीद से बात की उन्होंने बताया कि हादसा कार्यक्रम के दौरान ही हुआ। इस कार्यक्रम में जो सज्जन अपना उपदेश देने आए थे और मंच से उतरने के बाद जीटी रोड के पास उनका काफिला आया तो उसे छूने की कोशिश में महिलाओं का एक काफिला आगे बढ़ा और लोग इस हादसे का शिकार हो गए। इसका सबसे दुखद पहलू यह था कि जो सेवादार प्रशासन को भी अंदर नहीं जाने देते। ऐसे लोगों ने इस घटना को दबाने का प्रयास किया। सीएम ने कहा कि इसकी जांच के लिए एडीजी आगरा की अगुवाई में एक कमेटी गठित की गई है। इस घटना की तह तक जाने के लिए उनसे कहा गया है। इस घटना में आयोजकों को भी पूछताछ के लिए भी बुलाया जाएगा। सीएम ने कहा कि क्या यह हादसा या साजिश?

अगर साजिश है तो उसकी भी जांच की जाएंगी। इस तरह का हादसा दोबारा न हो इसके लिए एक एसओपी बनाई जाएंगी ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस के हादसे पर कहा, 'इस पूरी घटना की तह तक जाने के लिए शासन स्तर पर हमने कल भी व्यवस्था बनाई थी लेकिन हमारी प्राथमिकता राहत-बचाव कार्य थी। इस हादसे में 121 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थे।' सीएम ने कहा, 'इस कार्यक्रम में जो सज्जन अपना उपदेश देने आए थे उनकी महिलाओं का एक दल आगे बढ़ा तभी उनके पीछे एक भीड़ गई। इसी दौरान वे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ते गए। सेवादार भी लोगों को धक्का देते रहे जिसके कारण यह हादसा हुआ।

इस पूरी घटनाक्रम के लिए आगरा की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है जिसने प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है। कई पहलू हैं जिनपर जांच होना आवश्यक है।'

हाथरस हादसे पर साकार हरि बाबा ने आयोजकों को बताया जिम्मेदार

हाथरस में कोतवाली सिकंदराराऊ अंतर्गत फुलरई मुगलगढ़ी गांव में सत्संग के दौरान भगदड़ को लेकर साकार हरि बाबा उर्फ भोले बाबा का पहला बयान सामने आया है। साकार हरि बाबा ने कहा है कि मैं पहले ही वहां से चला गया था। उन्होंने इस हादसे के पीछे आयोजकों को जिम्मेदार बताया है। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की है।

आश्रम में नजरबंद हैं बाबा

हाथरस में हुए हादसे के बाद मंगलवार देर रात भोले बाबा मैनपुरी के बिछवां कस्बा स्थित अपने आश्रम पर पहुंचे। तभी से पुलिस ने आश्रम की किलेबंदी कर दी। बाबा को पुलिस पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। हालांकि आश्रम के अंदर बाबा की मौजूदगी से पुलिस इन्कार कर रही है। इसके बाद भी लगातार आश्रम के आसपास लगातार पुलिस की संख्या बढ़ती गई।

रात बीतने के साथ ही बढ़ती गई फोर्स

सत्संग में मची भगदड़ में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। इस घटना के जिम्मेदार भोले बाबा

रात को ही हाथरस से बिछवां स्थित अपने आलीशान आश्रम में आ पहुंचा। इसकी जानकारी होते ही जिले का प्रशासन भी अलर्ट हो गया। तुरंत ही सीओ भोगांव सुनील कुमार सिंह बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। जैसे-जैसे रात बीतती गई उसी के साथ फोर्स की संख्या भी बढ़ती गई। भोगांव, कुर्रा, किशनी आदि थानों का फोर्स भी बुधवार की सुबह तक आश्रम के बाहर पहुंच गया। आश्रम के आसपास डेरा जमाए हुए है पुलिस आश्रम की किलेबंदी करने के साथ ही बाबा को नजरबंद कर दिया गया। हालांकि पुलिस अधिकारियों से जब पूछा गया तो वह बाबा के आश्रम में मौजूद होने की बात से इन्कार कर रहे हैं। बुधवार की शाम तक आश्रम के आसपास पुलिस ही पुलिस नजर आ रही थी। वहीं आश्रम के एक सेवादार ने भोले बाबा के आश्रम में होने की पुष्टि की। बताया कि मंगलवार को दिन में 3 बजे बाबा आश्रम में आए और तभी से किसी का भी आश्रम में प्रवेश रोक दिया गया है। उधर पुलिस लगातार इस बात से इन्कार कर रही है। बहरहाल पुलिस के साथ ही खुफिया विभाग की टीमें भी कस्बा बिछवां में आश्रम के आसपास ही डेरा जमाए हुए हैं।

आश्रम के अंदर मौजूद हैं अनुयायी

कस्बा बिछवां स्थित आश्रम के अंदर भोले बाबा की मौजूदगी है। इसको लेकर तो वहां पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को देख कर साफ तौर पर अंदाजा लगाया जा सकता है।

वहीं सवाल ये है कि बाबा के साथ कौन-कौन लोग हैं जो इस समय आश्रम के अंदर मौजूद हैं। इनमें हाथरस में हुए हादसे के समय मौजूदगी अनुयायी और स्थानीय लोग मौजूद हैं।

जीडीए कर रहा है एक साल से निगम वाले बोर्ड सदस्यों का इंतजार

निगम भूल गया या सुध नहीं ले रही है सरकार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम में इन दिनों कानून का राज चल रहा है और निगम के अधिकारी पोलीथीन से लेकर अतिक्रमण को लेकर एज पर रूल चल रहे हैं। विवाद भी हो रहा है संवाद भी हो रहा है और संवाद भी हो रहा है। नगर निगम स्वायतशासी संस्था है। नगर निगम के पास अपना सदन है जनता के

चुने हुए 100 पार्षद हैं और जनता द्वारा डायरेक्ट चुनी गई मेयर है। नगर निगम की ताकत ये है कि उसके पार्षदों में से चार पार्षद चुन कर जीडीए बोर्ड में आते हैं। जीडीए बोर्ड के फैसलों पर ये चुने हुए पार्षद जीडीए बोर्ड सदस्य बनकर अपनी सहमति की मुहर लगाते हैं। लेकिन अब भाजपा वालों से लेकर निगम वाले ही ये पूछ रहे हैं कि ऐसा क्या हो गया कि एक साल पूरा हो गया लेकिन जीडीए में नगर निगम के चुने गए बोर्ड सदस्यों का इंतजार हो रहा है।

बताते हैं कि नियम यह है कि निगम सदन के गठन होते ही ये चुनाव हो जाना चाहिए। लेकिन एक साल के बाद भी चार पार्षद नहीं पहुंचे। निगम एक्ट के जानकारों का कहना है कि यह नगर निगम नियमावली का उल्लंघन है। ये चार पार्षद जीडीए बोर्ड में पहुंचते तो आम जनता की आवाज उठाते। लेकिन कार्यकारिणी चुनाव में जिस तरह से रूचि दिखाई गई उतनी रूचि जीडीए बोर्ड सदस्य चुनने में नहीं लगायी गई। भाजपा के ही निगम सूत्रों का कहना है कि यह नगर निगम एक्ट का खुला उल्लंघन है।

क्यों खाली पड़े हैं नगर निगम में जोनल चेयरमैन के पद

करंट क्राइम। जोनल चेयरमैन का पद निगम में अहम होता है। एक साल बीत गया लेकिन जोनल चेयरमैन के पद खाली पड़े हैं। ये स्थिति निगम के पांच जोनों में है। निगम के जोन जनप्रतिनिधियों के बिना चल रहे हैं और यहां पर पुराने पार्षद भी ये बता रहे हैं कि अगर जोनल चेयरमैन बनाये जाते तो ये शहर को राहत देने जैसा होता। क्योंकि फिर हर जोन में जनता के प्रतिनिधि होंगे और ऐसे में अधिकारी नियम विरूद्ध काम नहीं कर सकते। जोन की समस्यायें जोन में ही सुलझेंगी। लेकिन एक साल का सदन हो गया और पांच जोन बिना जोनल चेयरमैन के ही चल रहे हैं।

5 जुलाई को हो जायेगी निगम कार्यकारिणी चुनाव की घोषणा

करंट क्राइम। नगर निगम में अगर समय से कोई चुनाव हुआ है तो वो निगम कार्यकारिणी का चुनाव है। निगम कार्यकारिणी निगम सदन का सबसे अहम हिस्सा है और निगम के फैसलों पर यहीं मुहर लगती है।

23 जून को निगम कार्यकारिणी का भी एक साल हो गया। 5 जुलाई को निगम कार्यकारिणी चुनाव की घोषणा होगी। निगम कार्यकारिणी इस बार 6 पार्षद रिटायर हो जायेंगे। नई कार्यकारिणी के गठन में 30 दिन का समय लगेगा और निगम कार्यकारिणी चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है।

क्यों नहीं गठित हो रही हैं नगर निगम की पार्षदों वाली समितियां

करंट क्राइम। नगर निगम का सदन एक साल का हो जायेगा और इस एक साल में उन समितियों का गठन नहीं हुआ जिन्हें पार्षद संचालित करते हैं। नगर निगम की निर्माण समिति, उद्यान समिति, स्वास्थ्य समिति, नामकरण समिति, टैक्स समिति, पार्किंग समिति और सम्पति से जुड़े मामलों की समिति आज तक गठित नहीं हुई है। निगम सूत्र बताते हैं कि अगर इन समितियों का गठन होता तो पार्षदों को अधिकार मिलते। इन समितियों में पांच पार्षदो का एक पैनल बनता है। एक सीनियर पार्षद अध्यक्ष होता है और जब ये कमेटियां होती हैं तो इनके पास जनता के मामले जाते हैं। इन समितियों के पदाधिकारियों के रूप में पार्षद जनता की समस्या सुनते हैं और निगम अधिकारी इन समितियों के फैसलों को मानने के लिए बाध्य होते हैं। ये समितियां एक तरह से शहर को राहत देने वाली होती है। माना यही जाता है कि सरकार कोई भी हो अफसरशाही पर अंकुश इन्ही समितियों से लगता है क्योंकि ये समितियां पार्षदों की आवाज होती हैं लेकिन इन समितियों का गठन क्यों नहीं हुआ। ये अपने आप में एक सवाल है।

एकतरफा मोहब्बत में किशोरी को मारी गोली, हालात नाजुक

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने के डूंडाहेड़ा गांव का मामला

पुलिस ने आरोपी रवि को लिया हिरासत में

गाजियाबाद, करंट क्राइम : क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के डूंडाहेड़ा गांव में रहने वाली एक नाबालिक को शादीशुदा व्यक्ति ने गोली मार दी। गोली लगने से किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल ले जाया गया ,जहां से डॉक्टर्स ने उसे जीटीबी के लिए रेफर कर दिया है। किशोरी की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं आरोपी रवि को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। रवि के दो बच्चे भी बताए जा रहे हैं और वह शादीशुदा है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच के बाद मामला एक तरफा मोहब्बत का नजर आ रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

एसीपी वेव सिटी पूनम मिश्रा ने बताया है कि क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस को बुधवार शाम सूचना मिली कि डूंडाहेड़ा गांव में रहने वाली एक किशोरी को घर में घुसकर एक व्यक्ति ने गोली मार दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो रवि नाम के व्यक्ति को आसपास के लोगों ने दबोच लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर

उससे पूछता शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि रवि किशोरी से एक तरफा प्यार करता था जबकि आरोपी पहले से शादीशुदा भी है। फिलहाल पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। तो वहीं किरोशी का दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहां उसकी हालात नाजुक बताई जा रही है।

ये भी रही राजनीति में एक-दूसरे की तरीफ करने की अदा खूब

जब कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ने किया भाजपा के पूर्व मेयर को सैल्यूट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में शिष्टाचार होता है राजनीति में वैचारिक मतभेद होते है राजनीति में दलगत निष्ठा होती है लेकिन जब विरोधी दल के नेता सत्तावालों की तारीफ करने लगें तो फिर सियासी गलियारों में ही सुगबुगाहट शुरू हो जाती है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संसद में सरकार को घेर रहे हैं। वो भाजपा को लेकर आक्रामक मुद्रा में हैं और अगर ऐसे में उनकी पार्टी में पुरानी खांटी कांग्रेस नेता भाजपा की तारीफ करें तो उसे क्या कहा जायेगा। हालांकि उन्होंने ये तारीफ भाजपा की नहीं बल्कि भाजपा के पूर्व मेयर की व्यक्तिगत रूप से की है और राजनीतिक शिष्टाचार की एक अच्छी मिसाल पेश की है।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र यादव ने सोशल मीडिया पर आकर सोशल प्लेटफार्म पर भाजपा के पूर्व मेयर अशु वर्मा की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि गाजियाबाद के पूर्व मेयर चौधरी अशु वर्मा जी का कई मौको पर मैंने यह देखा कि उन्होंने राजनीतिक भावना और दलीय भावना से ऊपर उठकर जो सच्चाई है उसे हमेशा स्वीकार किया है और कहा कि इतने बड़े हादसे के बाद साफगोई से उन्होंने जो कहा कि मैं चौधरी अशु वर्मा जी आपको सैल्यूट करता हुं। राजनीति अपनी जगह है लेकिन सिद्धान्त और उसूल आदमी का अपना होना चाहिए। यही एक अच्छी राजनीति के गुण हैं। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र यादव ने सियासी पटल पर एक अच्छी शुरू आत ये लिखकर की। अगर बात सही है तो अपने विरोधी की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा करना अच्छी बात है।

कांग्रेस के नेता ने भाजपा के नेता की तारीफ सत्यनिष्ठा को लेकर की। पूर्व मेयर अशु वर्मा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और मंदिर जाने की प्रेरणा से लेकर उनकी कई पोस्ट कई बार संदेश भी देती हैं। हाल ही में उन्होंने एक पौधा मां के साथ भी लगाया और एक पौधा अपने पिता को नमन करते हुए उन्हें समर्पित किया। कांग्रेस के नेता ने जब ये तारीफ की तो गाजियाबाद की सियासी तहजीब का भी मुलाहिजा हुआ और ये भी सबने महसूस किया कि गाजियाबाद की सियासत ऐसी है कि यहां विचारो को लेकर मतभेद तो होत हैं यहां सरकारों को लेकर तो मतभेद होते हैं लेकिन यहां व्यवहारों को लेकर सब एक रहते हैं।

हत्या के मामले में 50 हजार का ईनामी रालोद का सभासद गिरफ्तार, टैक्सी चलाने के दौरान पवन भाटी से हुई थी दोस्ती

क्राइम ब्रांच ने दबोचा, दाढ़ी-मूंछ मुंडवाकर रह रहा था आरोपी सोनू

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बदमाश कितना भी शातिर और चालाक क्यों ना हो लेकिन

आरोपी सोनू (दाढ़ी-मूंछ मुंडवाने से पहले की तस्वीर)

पुलिस उसतक पहुंचने का कोई ना कोई सुराग ढूंढ लेती है। 11 मई को लोनी में हुए विक्रम मावी हत्याकांड में पुलिस ने 50 हजार के इनामी बदमाश सोनू को गिरफ्तार किया है। सोनू वर्तमान में अमित बिहार वार्ड नंबर-19 से रालोद सभासद था और उसकी वार्ड में रहने वाले पवन भाटी से दोस्ती थी। इसी के चक्कर में उसने विक्रम भाटी हत्याकांड को अंजाम दिया था। सोनू मूलरूप से इटावा का रहने वाला है लेकिन लंबे समय से गाजियाबाद धोनी बॉर्डर में रह रहा था। पुलिस का दावा है कि आरोपी सोनू बघेल लोनी से भाग कर अपने सिर, दाढ़ी को मुंडा कर पहचान छुपा कर इटावा में अन्य जगह बदल बदल कर पुलिस को चकमा दे रहा था। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने उसपर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। बुधवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस निकाल रही है पुराना क्राइम रिकॉर्ड

करंट क्राइम : स्वॉट टीम क्राइम ब्रांच प्रभारी अब्दुल रहमान सिद्दीकी ने बताया है कि सोनू मूलरूप से इटावा का रहने वाला है और 12वीं पास है। लोनी में राजनीति में आने से पहले टैक्सी ड्राइवर का काम करता था। उसने वर्ष 2023 में नगर पालिका लोनी में राष्ट्रीय लोक दल पार्टी से चुनाव लड़ा था। चुनाव में जीत गया, वर्तमान में सोनू अमित बिहार वार्ड नंबर 19 लोनी से सभासद था। विक्रम मावी हत्याकांड में उसकी भूमिका स्पष्ट हुई है। वह हत्या करने वाले अभियुक्तों में शामिल था। दरसअल सोनू बघेल ने विक्रम मावी व अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर सनसनीखेज घटना को अंजाम दिया था। पुलिस का दावा है कि सोनू घटना के बाद इटावा भाग गया था और अपने सर, दाढ़ी व मूंछ बनवाकर पहचान छुपा कर रह रहा था। पुलिस इसका पुराना रिकॉर्ड भी तलाश कर रही है ताकि इसके केस को और मजबूत किया जा सके।

11 मई को हुई थी विक्रम मावी की हत्या

करंट क्राइम : पुलिस के अधिकारियों ने बताया है कि 11 मई को टीलामोड़ थानाक्षेत्र में विक्रमादित्य गोली मारकर हत्या हुई थी। इस मामले में पुलिस अब तक 21 अभियुक्त गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है जबकि एक बाल अपचारी को बाल सुधार गृह भेजा जा चुका है। इस मामले के बाद वहां कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर खुद एडिशनल सीपी दिनेश कुमार की मौके पर निरीक्षण और पीड़ित परिवार से मिलने के लिए पहुंचे थे। पुलिस गाजियाबाद ने अब तक इस मामले में 21 लोगों की गिरफ्तारी कार्रवाई की है।

कम नहीं हो रही केजरीवाल की मुश्किल अभी जेल में ही रहेंगे दिल्ली सीएम

12 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत राउज ऐवन्यू कोर्ट ने 12 जुलाई तक बढ़ा दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईडी ने कोर्ट में पेश किया था।

इससे पहले बीती 29 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई ने पेश किया गया था। सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया था। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड खत्म होने के बाद 29 को फिर पेश किया गया। इससे पहले केजरीवाल को 21 मार्च को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। तभी से केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

सांसद संजय सिंह ने पीएम मोदी को घेरा

आप सांसद संजय सिंह ने सीबीआई द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला था। उन्होने कहा था कि पीएम मोदी के निर्देश पर सीबीआई ने सीएम को गिरफ्तार किया है। संजय सिंह ने कहा था कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वो दुर्भावनापूर्ण इरादे से काम कर रही है। ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई मनी ट्रेल नहीं है, कोई सबूत नहीं है, कोई पैसे की रिकवरी नहीं है और इसलिए अरविंद केजरीवाल निर्दोष हैं। अरविंद केजरीवाल को केंद्र सरकार, पीएम मोदी के निर्देश पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

राहुल गांधी के हिंदुओं को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ देशभर में सड़कों पर उतरी भाजपा

नई दिल्ली। नई दिल्ली राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सोमवार को राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में हिंदू समाज को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ भाजपा ने संसद के बाद अब सड़क पर अपनी लड़ाई तेज कर दी है। भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) और विभिन्न प्रदेशों के पार्टी कार्यकर्ताओं ने बुधवार को देशभर में सड़कों पर उतरकर राहुल गांधी के बयान के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस नेता से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। देश की राजधानी दिल्ली में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या और भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी पर संसद में हिंदुओं के खिलाफ नफरत भरा भाषण देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस मुख्यालय तक भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मार्च कर मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद मनोज तिवारी, योगेंद्र चंदोलिया एवं बांसुरी स्वराज सहित पार्टी के अन्य नेता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं, भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने देशभर के सभी राज्यों में भी विरोध प्रदर्शन कर राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से देश के सभी संगठनात्मक जिलों में सड़कों पर उतरकर व्यापक विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। भाजयुमो ने दावा किया कि हर राज्य में विरोध प्रदर्शन में सभी क्षेत्रों के लोगों की भारी भागीदारी देखी गई। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस प्रकार से पूरे हिंदू समाज को आतंकवादी, हिंसक कहा है, यह अक्षम्य अपराध है और राहुल गांधी जब तक माफी नहीं मांगते तब तक भाजपा अपना संघर्ष जारी रखेगी। 26/11 के टेरर अटैक को पूरी कांग्रेस पार्टी ने हिंदू संगठनों के ऊपर डालने की कोशिश की थी। दिग्विजय सिंह ने तो भगवा आतंकवाद के ऊपर किताब का विमोचन भी किया था। देश के अंदर 80 फीसदी दंगे कांग्रेस पार्टी की सरकार के रहते हुए हैं। कांग्रेस ने आतंकवाद को पनाह देने का काम किया है और इसलिए सांप्रदायिक दंगे होते रहे हैं। जिस धर्म ने 5 हजार वर्ष से अधिक समय से समाज को सौहार्द और शांति का मंत्र दिया है, ऐसे हिंदू समाज को अपमानित करने की साजिश राहुल गांधी द्वारा की गई है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि हिंदू संस्कृति को गाली देना, हिंदुओं को गाली देना, उन्हें आतंकवादी कहना, यह सब चुनावी हिंदू राहुल गांधी की साजिश है, जिसका जवाब देश के करोड़ों हिंदू जरुर देंगे। राहुल गांधी ने सदन के अंदर सोची समझी राजनीतिक चाल चली है।

ब्रजेश पाठक ने की हाथरस हादसे के पीड़ितों से अस्पताल में मुलाकात

हाथरस। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हाथरस में बांग्ला जिला अस्पताल में हाथरस हादसे में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने सरकार की ओर से हरसंभव मदद देने की बात कही। साथ ही मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। ब्रजेश पाठक ने कहा कि, 118 शवों का पोस्टमार्टम कर उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है।

5 मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। 20 व्यक्ति अस्पतालों में हैं और खतरे से बाहर हैं, सरकार उनके उपचार के लिए सभी इंतजाम कर रही है, वे शीघ्र स्वस्थ हों, इसके लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। ब्रजेश पाठक ने यह भी कहा कि ट्रॉमा सेंटर और सीएचसी में लोगों की भीड़ अचानक पहुंचने से अव्यवस्था हुई थी। हमने 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट मांगी है।ब्रजेश पाठक ने कहा, ₹हाथरस की घटना बहुत ही हृदय विदारक है। शासन ने इसे बहुत ही गंभीरता के साथ लिया है। इसके लिए न्यायिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हमारी प्राथमिकता है कि घायलों को उच्च कोटि का इलाज मिले और वे शीघ्र स्वस्थ होकर अपने घर जाएं। घायलों में कोई गंभीर हालत में नहीं है, उनको बेहतर से बेहतर इलाज दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आला अधिकारी पूरी जांच कर रहे हैं। किस तरह से घटना घटी है और कौन-कौन लोग इसके दोषी हैं, प्रशासनिक तौर पर भी जांच की जा रही है।

शासन न्यायिक जांच के साथ-साथ उच्च स्तरीय जांच भी करा रहा है। जैसे ही प्राथमिक रिपोर्ट समाने आएगी, हम सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे। चाहें कितनी भी पहुंच का व्यक्ति हो, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिए जा चुके हैं।

बाढ़ को लेकर अलर्ट मोड पर सरकार सीएमओ को भेजे गए निर्देश

49 जिले संवदेनशील-अति संवेदनशील श्रेणी में

लखनऊ। यूपी में संभावित बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए सरकार अभी से अलर्ट मोड पर आ गई है। बाढ़ के लिहाज से प्रदेश के 24 जिले अति संवेदनशील और 25 संवेदनशील हैं। प्रदेश में बाढ़ से संक्रामक बीमारियों की फैलने की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। सभी सीएमओ को डॉक्टर से लेकर दवा तक के समुचित इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। राज्य स्तर पर निदेशक (स्वास्थ्य) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। संबंधित जिलों में सीएमओ को वरिष्ठ चिकित्साधिकारी को नोडल अधिकारी बनाने का निर्देश दिया गया है।

बाढ़ के लिहाज से प्रदेश के 24 जिले अति संवेदनशील और 25 संवेदनशील हैं। इन जिलों को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मुकम्मल तैयारी के निर्देश दिए हैं। बाढ़ राहत शिविरों पर चिकित्सक, पैरामेडिकल व अन्य कर्मियों की रोस्टर के हिसाब से 24 घंटे तैनाती करने करने को कहा गया है। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों में स्टाफ की कमी होने पर नजदीकी अस्पतालों से चिकित्सक व अन्य स्टाफ संबद्ध करने को कहा गया है। जिला अस्पतालों व सीएचसी में बाढ़ पीड़ितों के अचानक आने की स्थिति में अलग से बेड के इंतजाम रखने के निर्देश दिए गए हैं। अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

शिविर और उपचार केंद्रों में पर्याप्त दवाएं रखें प्रमुख सचिव ने निर्देश दिया है कि बाढ़ राहत शिविर और संबंधित क्षेत्र के उपचार केंद्र में दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था कर लिया जाए। जहां दवाएं कम हैं, वहां तत्काल इंतजाम करें। उन्होंने एंटीडायरिटल, ओआरएस के पैकेट, बुखार की दवा, क्लोरोक्वीन, एंटीबायोटिक्स, आईवी फ्लूड, मल्टी विटामिन, आंख से संबंधित ड्राप, कीड़े मारने की दवा, चर्मरोग की दवा, ब्लीचिंग पाउडर, कीटनाशक, एंटी स्नेक वेनम आदि की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। शिविरों में प्राथमिक दवाएं अनिवार्य रूप से रखने के कहा गया है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी की स्थिति में इस बात की परवाह न करें कि एक व्यक्ति को टीका लगाने के बाद बची वैक्सीन खराब हो जाएगी। जिसे जरूरत है उसे तत्काल टीका लगाएं। बाढ़ प्रभावित गांवों में बनेंगे डिपो व चिकित्सा दल

बाढ़ प्रभावित गांवों में क्लोरीन टैबलेट, ब्लीचिंग पाउडर का डिपो बनाने का निर्देश दिया गया है। ताकि जरूरत पर तत्काल उपलब्ध कराया जा सके। बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को पीने के पानी को उबालकर या क्लोरीन टैबलेट डालकर पीने की सलाह दी गई है।

नए कानून की पाठशाला फिर से गोरखपुर की कचहरी में, बुजुर्ग दिग्गज भी कर रहे पढ़ाई, रट रहे धाराएं

गोरखपुर। तकरीबन 50 साल बाद दीवानी कचहरी में एक बार फिर कानून की किताबों में ताकझांक होने लगी है। अधिवक्ताओं के टेबल पर नजर दौड़ाएं तो कानून की दो तरह की किताबें नजर आती हैं। एक नए तो एक पुराने कानून वाली। साथ ही नजर आते हैं इन किताबों पर नजर जमाए अधिवक्ता। मंगलवार को कचहरी में दिनभर नए और पुराने कानून की गूंज ही सुनाई देती रही। वरिष्ठ अधिवक्ताओं की मानें तो 1973 में नए कानून के लागू होने के बाद भी ऐसे ही हालत थे।

हर तख्ते पर दो-दो किताबें। वारदात को लेकर दो तरह की धाराओं का जिक्र। घटना कब की है, दस्तावेज तैयार करने में पीड़ित से सवाल-जवाब। वारदात की जो धाराएं जुबान पर रहती थीं, अब उसके लिए कानून के जानकारों को कानून की किताब का सहारा लेना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज शाही के तख्ते पर कुछ फरियादी और तीन-चार जूनियर अधिवक्ता मौजूद थे। अधिवक्ता विनोद कुमार आजाद मारपीट के एक केस से संबंधित कागजात तैयार कर रहे थे। धारा पर आकर अटक गए।

सहयोगी से बोले-जरा बीएनएस की किताब में देखो कि नए कानून के तहत कौन सी धारा लगेगी। अब तो बड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। वरना आईपीसी की धारा ही अभी याद है। कानून के विशेषज्ञ वरिष्ठ अधिवक्ता रमापति शुक्ल बताते हैं -1968 में कानून में बदलाव हुआ था। उस दौरान मेरी प्रैक्टिस करीब पांच साल की थी।

कुछ दिनों तक परेशानी होती है। हम लोगों ने कानून की किताब का पूरा अध्ययन किया था। आज नए अधिवक्ताओं को भी चाहिए कि वे नए कानून को पहले पढ़ें। चुनौतियां तो आती हैं पर धीरे-धीरे अभ्यास में आ जाएगा। अधिवक्ता कृष्ण दीपक ने कहा- अचानक हुए बदलाव के कारण इसे रट पाना आसान नहीं होगा। कागजात तैयार करते समय अभी आईपीसी की धारा ही लिख दे रहा हूं।

विद्युत रंजन षाड़ंगी बने झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस

रांची। जस्टिस बिद्युत रंजन षाड़ंगी झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस बनाए गए हैं। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम की अनुशंसा पर इसकी मंजूरी दी है। वह फिलहाल ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी है। जस्टिस षाड़ंगी का कानून की प्रैक्टिस और न्यायाधीश के रूप में 27 वर्षों का लंबा अनुभव है। उन्हें 20 जून 2013 को ओडिशा हाईकोर्ट का जस्टिस नियुक्त किया गया था। इसके पहले वह ओडिशा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में बतौर अधिवक्ता प्रैक्टिस कर चुके हैं। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रहे संजय कुमार मिश्र करीब सात माह पहले सेवानिवृत्त हुए थे। उसके बाद 29 दिसंबर 2023 को जस्टिस एस. चंद्रशेखर को झारखंड हाईकोर्ट का एक्टिंग चीफ जस्टिस बनाया गया था। अब उनका तबादला राजस्थान हाईकोर्ट कर दिया गया है।

पीएम ने मणिपुर हिंसा व नीट पेपर लीक मामले पर सदन में विपक्ष को दिया जवाब

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए मणिपुर, नीट पेपर लीक समेत कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने बताया कि सरकार मणिपुर में हालात सामान्य बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उपद्रवियों को कड़ा संदेश भी दिया। पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर की स्थिति सामान्य करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। वहां जो घटनाएं घटीं, 11 हजार से ज्यादा एफआईआर की गई हैं, 500 से ज्यादा लोग अरेस्ट हुए हैं। इस बात को भी हमें स्वीकार करना होगा कि मणिपुर में लगातार हिंसा की घटनाएं कम होती जा रही हैं।

मणिपुर के अधिकांश हिस्सों में स्कूल-कॉलेज संस्थान खुले हुए हैं। जैसे देश में परीक्षाएं हुईं, वहां भी परीक्षाएं हुई हैं। बच्चों ने अपनी विकास यात्रा जारी रखी है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार सभी से बातचीत करके सौहार्द का रास्ता खोलने की लगातार कोशिश कर रही है। छोटे-छोटे ग्रुपों से बात की जा रही है। गृह मंत्री वहां जाकर कई दिनों तक रहे हैं। अधिकारी भी लगातार जा रहे हैं। समस्या के समाधान के लिए हर प्रकार से प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जो भी तत्व मणिपुर की आग में घी डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें आगाह करना चाहता हूं कि ये हरकतें बंद करें। एक समय आएगा जब मणिपुर ही उन लोगों को रिजेक्ट करेगा। जो लोग मणिपुर को, मणिपुर के इतिहास को जानते हैं, वो जानते हैं कि वहां सामाजिक संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। इस संघर्ष की मानसिकता की जड़ें बहुत गहरी हैं। इसको कोई नकार नहीं सकता है। कांग्रेस के लोग ये ना भूलें कि इन्हीं हालातों की वजह से इस छोटे से राज्य में 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा है। ये हमारे कार्यकाल में नहीं हुआ है, कुछ तो वजह होगी। लेकिन, फिर भी राजनीतिक फायदा उठाने के लिए वहां हरकतें हो रही हैं। हमें समझदारी के साथ स्थितियों को ठीक करने के लिए प्रयास करना है।

जो भी इसमें सहयोग देना चाहें, हम सबको अपने साथ लेने को तैयार हैं। लेकिन, हम सामान्य स्थिति को बरकरार रखने और शांति लाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी ने नीट पेपर लीक मामले पर छात्रों को आश्वासन देते हुए आरोपियों को कड़ी सजा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत है। मैं भारत के युवाओं को आश्वस्त करता हूं कि नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सख्त सजा मिले, इसके लिए एक्शन लिए जा रहे हैं।

बिहार में वज्रपात से चार लोगों की मौत नीतीश कुमार ने जताई संवेदना

पटना। मानसून पूरे देश में सक्रिय हो चुका है और पूरे बिहार में बारिश हो रही है। एक तरफ बारिश की वजह से मौसम सुहाना हो गया है तो वहीं वज्रपात के चलते बिहार के कई जिलों में लोगों की मौत हो गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पर अपनी संवेदना जाहिर की है और मृतकों के परिजनों को अनुदान देने की घोषणा की है।

नीतीश कुमार ने ट्वीट करते हुए कहा, वज्रपात से भागलपुर में 1, दरभंगा में 1, पूर्वी चंपारण में 1 और नवादा में 1 व्यक्ति की मृत्यु दुःखद है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। लोगों से अपील है कि खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें, और सुरक्षित रहें। जुलाई में ला नीना व अन्य कारणों से बिहार में सामान्य से ज्यादा बारिश का पूवार्नुमान बताया गया है। मंगलवार को भी राजधानी पटना समेत 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। बुधवार को भी बिहार के अधिकांश हिस्सों में बारिश की काफी संभावनाएं व्यक्त की गई हैं। बारिश की वजह से नदियों में उफान आने के चलते बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। बता दें, उत्तर बिहार में हर साल बाढ़ की स्थिति आपदा बनकर आती है।

इसी बीच बिहार में बाढ़ का स्थायी समाधान निकालने की पहल शुरू हो गई है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। संजय कुमार झा ने इसकी पूरी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए शेयर की है। उन्होंने बताया कि बिहार के विकास तथा उत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से संसद भवन स्थित उनके कक्ष में मुलाकात की, जो काफी सार्थक रही।

इस बैठक में केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देबश्री मुखर्जी के अलावा वित्त, विदेश और जल शक्ति मंत्रालय के कुछ वरीय अधिकारी भी शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण मीटिंग में उत्तर बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से बेहतर जल प्रबंधन का एक विस्तृत खाका तैयार करने के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई।

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि राज्य वित्त आयोग एवं 15 केन्द्रीय वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत इस विकास खण्ड में निम्न कार्य हेतु दिनांक 15/07/2024 तक सील्ड बन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा दिनांक 15/07/2024 को सांय 3.00 बजे उसी दिन समिति/आपूतिकर्ता के सम्मुख खोली जायेगी।निविदा किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 15/07/2024 को 12.00 बजे दोपहर तक कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा प्रपत्र मूल्य देकर कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

क0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा मुल्य(जी0एस0टी0),स्टेशनरी चार्ज सहित	कार्य दिवस
1	ग्राम पंचायत सारा में गून सम्पर्क मार्ग पर विनय पुत्र जगदीश के खेत से सेवाराम त्यागी के खेत तक खडण्जा कार्य।	997600	83850	800+144+500=1444	2माह
2	ग्राम शाहजहॉपुर में हरीओम के प्लाट से ओमपाल के घर तक नाला निर्माण कार्य।	408500	34350	300+54+500=854	2माह
3	ग्राम शाहजहॉपुर में रामकिशन के घर से ओमपाल के घर तक नाला निर्माण कार्य।	431000	36250	400+72+500=972	2माह
4	ग्राम अतरौली में सहकारी समिति में टीन शैड का निर्माण कार्य।	999500	84000	800+144+500=1444	2माह
5	ग्राम पंचायत विद्यापुर में चुने की टयूबवैल से सुखवीर की टयूबवैल तक खडण्जा निर्माण कार्य।	989500	83200	800+144+500=1444	2माह
6	ग्राम बखरवा में ब्रजपाल के मकान से ब्रजपाल के खेत तक इन्टरलोकिंग निर्माण कार्य।	996800	83800	800+144+500=1444	2माह
7	ग्राम सैदपुर मे राजपाल नाई के मकान से जीमल के मकान तक सी0सी0रोड निर्माण कार्य।	456300	38350	400+72+500=972	2माह
8	ग्राम चुडियाला में महेन्द्र के मकान से मैनपाल के खेत तक इन्टरलोकिंग निर्माण कार्य।	992500	83450	800+144+500=1444	2माह
9	ग्राम कनकपुर में मदन के मकान से महेन्द्र के खेत तक इण्टरलांकिग निर्माण कार्य	516200	51800	500+90+500=1090	2माह

नियम व शर्तें:-

1-अरनेष्टमनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 के रूप में जमा की जा सकती हैं। जो खण्ड विकास अधिकारी भोजपुर के नाम बन्धक होगी अथवा नकद के रूप में भी जमा की जा सकती हैं।

2-कार्य लो0नि0वि0 की विशिष्टियों के अनुरूप होगा।

3-नियमानुसार सभी शासकीय कटोतियॉ की जायेगी।

4-निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

5-कार्य की बिल आफ क्वान्टिटी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा कार्य के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी विकास खण्ड में कार्यरत अवर अभियन्ता(आर0ई0डी0)से ली जा सकती हैं।

6-निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त श्रम विभाग गाजियाबाद में कार्य का रजिस्ट्रेशन करा कर रजिस्ट्रेशन की छायाप्रति कार्यालय मे उपलब्ध कराये। उसके उपरान्त भुगतान किया जाना सम्भव होगा।

7-फर्म का रजिस्ट्रेशन एवं जी0एस0टी0,आयकर एवं सैस का रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य हैं।

खण्ड विकास अधिकारी
भोजपुर गाजियाबाद

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली।। गुरुवार 04 जुलाई-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

SS PATH LAB
& DIAGNOSTIC CENTRE
(Your Health is Our Priority)
Ultrasound Digital X-Ray
ECG Blood Tests
ब्लड टेस्ट पर
50% छूट
अल्ट्रासाउंड मात्र : ₹800/-
डिजिटल एक्स-रे मात्र : ₹250/-
ई.सी.जी. मात्र : ₹200/-
Lab Director : Dr. Sagar Kashyap (MBBS,MD)
Free Home Collection Facility Available
पता : सी-2, कचहरी रोड, आर.डी.सी. राजनगर, गाजियाबाद
0120-3501102, 9625609360

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में बीट व्यवस्था की खुल रही है पोल

बीट बुक का निरीक्षण : कांस्टेबल को नहीं पता कहां रहता है हिस्ट्रीशीटर और चोर

बीट बुक की जांच में हो रहे हैं नए-नए खुलासे

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस व्यवस्था में बीट बुक की अपनी इंपोर्टेंस होती है। अधिकारी समय-समय पर इसकी जांच करते हैं। इस जांच से उनको कांस्टेबल की वर्किंग से लेकर फील्ड में उसके द्वारा क्या प्रयास और अपराध नियंत्रण को लेकर क्या वर्किंग की जा रही है इसका इनपुट मिल जाता है। कुछ दिनों में दैनिक करंट क्राइम को जानकारी मिली है कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में अधिकारी बीट पर तैनात रहने वाले कांस्टेबल की बीट बुक का निरीक्षण कर रहे हैं।

इन निरीक्षण में कई तरीके की खामियां, लापरवाही और जानकारी का अभाव सामने निकलकर आ रहा है। विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि कई कांस्टेबल की बीट बुक पुरानी है, तो कई अपडेट नहीं मिली हैं। किसी कांस्टेबल को अपने क्षेत्र में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर का नाम और मुकदमों की जानकारी नहीं मिली, तो कई कांस्टेबल को उनके चौकी क्षेत्र में रहने वाले शातिर बदमाश और चोरों का भी अता-पता नहीं मालूम है।

सूचना यह है कि कई कांस्टेबल के बीट बुक में वह नंबर मिले जो अब सीयूजी के रूप में अधिकारी इस्तेमाल ही नहीं करते हैं। इसके साथ ही कई ऐसी हैरान करने वाली जानकारी भी हैं जिसे पढ़कर और देखकर खुद उनके ही महकमे के अधिकारी दंग रह गए। पुलिसिंग में बीट व्यवस्था और बीट बुक को महत्वपूर्ण माना जाता है लेकिन इन दिनों वर्कलोड से जूझ रही कमिश्नरेट पुलिस का हाल अलग है, जो बता रहा है कि मूल पुलिसिंग कहीं खो गई है।

बीट कांस्टेबल को नहीं पता कौन है हिस्ट्रीशीटर और क्या है उसका एड्रेस

करंट क्राइम। बीते दिनों एक एसीपी स्तर के अधिकारी ने अपने क्षेत्र के एक कांस्टेबल की बीट बुक चेक की, तो मामला चौंकाने वाला था। एसीपी ने बीट कांस्टेबल से क्षेत्र में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर के बारे में पूछा तो वह मौन रह गया। पूछा की हिस्ट्रीशीटर पर कितने मुकदमे हैं तो जानकारी अधूरी मिली। इसी के साथ उन्होंने दूसरे कांस्टेबल से पूछा कि किस इलाके में हो और तुम्हारे यहां का शातिर चोर कौन है, तो कांस्टेबल संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। बीट बुक की स्थिति का रियलिटी चेक बता रहा था की बीट का कांस्टेबल कितना एक्टिव है।

बीट कांस्टेबल को नहीं मालूम जिला बदर अपराधी की लोकेशन

करंट क्राइम। मामला पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद का है, जहां पर एक एसीपी स्तर के अधिकारी ने बीट कांस्टेबल की बीट बुक जांच करते हुए उससे पूछा कि हिस्ट्रीशीटर का मकान कहां पर है, हालांकि बीट कांस्टेबल ने मोहल्ले का नाम तो सही बताया लेकिन जब साहब ने कांस्टेबल से जिला बदर के घर की लोकेशन का रास्ता पूछा तो बीट कांस्टेबल का कॉन्फिडेंस डगमगा गया और उसकी बीट पुलिसिंग की सच्चाई की पोल खुल गई।

आधा दर्जन आईपीएस अधिकारी, फिर भी बीट कांस्टेबल की मनमर्जी जारी

करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में बड़ी संख्या में आईपीएस स्तर के अधिकारियों की तैनाती है। कुल मिलाकर वर्तमान पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में आईपीएस स्तर के आधा दर्जन अधिकारी तैनात हैं। इतने बड़े स्तर पर अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग और अधीनस्थों को दिशा निर्देश देने के बावजूद पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में बीट पुलिसिंग की बेस्ट पुलिसिंग वाली रिपोर्ट नजर नहीं आ रही है।

Police Beat

चौकी प्रभारी को नहीं पता कितने गुंडा रहते हैं चौकी क्षेत्र में

करंट क्राइम। बीते दिनों एक आईपीएस अधिकारी ने चौकी प्रभारी को किसी मामले की जांच के लिए बुलाया था, चौकी प्रभारी से आईपीएस अधिकारी ने पूछा कि उसके क्षेत्र में आजकल वारदात ज्यादा हो रही हैं, कितने गुंडे तुम्हारे क्षेत्र में रहते हैं, तो चौकी प्रभारी साहब के कार्यालय की छत को देखने लगा और जवाब नहीं दे पाया। इसी के साथ जब आईपीएस अधिकारी ने चौकी प्रभारी से पूछा कि क्या अपने क्षेत्र में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर का पता मालूम है, तो वह इस पर भी ठीक प्रकार से जवाब नहीं दे पाया।

जनरल वीके सिंह की है गाजियाबाद में अलग ही अदावत

शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए आये और शहादत को किया सैल्यूट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जनरल वीके सिंह अब गाजियाबाद के लोकसभा सांसद नहीं है। उनका गाजियाबाद से नाता है और वो यहां अक्सर कार्यक्रमों में आ रहे हैं। जनरल वीके सिंह ने पहले भी कहा है कि गाजियाबाद से उनका नाता है और रहेगा। जनरल वीके सिंह की गाजियाबाद में अदावत जारी है और बुधवार को वो गाजियाबाद आये। यहां उन्होंने शहीद की शहादत को सैल्यूट किया। उनके शदाहत दिवस पर श्रृद्धांजलि अर्पित की। सियासत वाले इसे सियासत के अंदाज से देख रहे हैं और शहादत वाले इसे शहदात से जोड़कर देख रहे हैं। जनरल वीके सिंह बुधवार को इन्दिरापुरम में आये और यहां उन्होंने मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद कैप्टन मनोज पांडे के 25वें शहादत दिवस में भाग लिया। जनरल वीके सिंह इन्दिरापुरम के मनोज विहार बाटलिक हॉल में पहुंचे और यहां उन्होंने परमवीर चक्र विजेजा शहीद कैप्टन मनोज पांडे को श्रृद्धाजंलि अर्पित की। जनरल वीके सिंह इसके बाद यहीं से दिल्ली के लिए रवाना हो गये। जनरल वीके सिंह का गाजियाबाद में इस दिवस पर आना अपने आप में महत्वपूर्ण है क्योंकि 25वें शहादत दिवस पर जब जनरल वीके सिंह को आमत्रित किया गया तो यहां पर रिटायर बिग्रेडियर व्योमकेश द्विवेदी ने जनरल वीके सिंह को लिखे पत्र में यह भी लिखा था कि हम आपकी उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहते हैं क्योंकि पिछले वर्ष को देखें तो आपका प्रोग्राम अंतिम क्षणों में कैंसिल हो गया था क्योंकि एक अर्जेंट कैबिनेट मीटिंग आ गई थी। अब सरकार तो भाजपा की है लेकिन अभी जनरल वीके सिंह को सरकार में कोई अहम जिम्मेदारी नहीं मिली है। वो अब सांसद भी नहीं है लेकिन इन सबके बावजूद जो अच्छी बात है कि एक सैनिक उनके भीतर जिंदा है।

एक शहीद के प्रति सम्मन उनके भीतर है और ये जज्बा ही है जो जनरल वीके सिंह आये और शहीद को सैल्यूट किया। पुष्प अर्पित कर श्रृद्धांजलि दी। उनके गाजियाबाद लोकसभा की विजिट को अक्सर सियासी डिजिट से जोड़कर देखा जाता है और जनरल वीके सिंह भी ये संदेश दे रहे हैं कि गाजियाबाद से लगाव है और लगाव रहेगा।

मोहर्रम ,जगन्नाथ यात्रा और कांवड़ यात्रा पर रहेगा ज्यादा अलर्ट व फोकस

- एसीपी स्तर के अधिकारी करेंगे जांच और भेजी जाएगी ऊपर तक रिपोर्ट
- सुरक्षा के मानक तय करने पर ही मिलेगी अनुमति

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाथरस में हुए दर्दनाक हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख शहरों में आगामी दिनों में होने वाले मोहर्रम, जगन्नाथ यात्रा और कांवड़ यात्रा जैसे बड़े आयोजन को लेकर अधिकारियों की ओर से जल्द लिखित आदेश और अलर्टनेस को लेकर फोकस वाला संदेश दिए जाने वाला है। पुलिस विभाग के विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में मोहर्रम के जुलूस, जगन्नाथ रथ यात्रा और कांवड़ यात्रा को लेकर भगवान भोले बाबा के प्राचीन शिव मंदिर दूधेश्वरनाथ से लेकर मोहन नगर मंदिर और शहर के ऐसे बड़े शिवालय जहां पर शिव भक्त अपने इलाके में जलाभिषेक करते हैं उनको लेकर इस बार विशेष निगरानी और चौकसी रखने के निर्देश दिए जाएंगे। सूत्र बता रहे हैं कि वहीं खुफिया विभाग से लेकर अन्य एसीपी स्तर के अधिकारियों को भी ब्रीफ किया जाएगा कि वह किसी भी आयोजन की अनुमति देने से पूर्व शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पालन अवश्य करें।

अनुमति देने वाले अधिकारी की मानी जाएगी जिम्मेदारी

करंट क्राइम। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में खुफिया विभाग के अंतर्गत काम करने वाले स्टाफ को और ज्यादा इनपुट और डाटा जुटाने पर जोर देने के निर्देश दिए गए हैं। तो वही जानकारी मिली है कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में किसी भी आयोजन की अनुमति का जिम्मा एसीपी स्तर के अधिकारी को दिया जाता है, जिस क्षेत्र में कार्यक्रम हो रहा होता है और जहां उसकी समाप्ति होनी होती है दोनों थानों से अनुमति लेने के साथ ही इसमें एसीपी स्तर के अधिकारी लिखित परमिशन देते हैं। सूत्र बता रहे हैं की परमिशन देने वाले अधिकारी को ही पूरे मामले में विशेष तौर से जिम्मेदार माना जाएगा। बताया जा रहा है कि कुछ बड़े आयोजनों की एसीपी सतर के अधिकारियों को मौके की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने का आदेश आने वाले दिनों में जारी हो जाएगा।

वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी से लेकर सीसीटीवी का रहेगा जोर

करंट क्राइम। हाथरस में जिस प्रकार का दर्दनाक हादसा हुआ, उससे प्रदेश सरकार के अधिकारी हरकत में आ गए हैं। घटनास्थल पर खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डीजीपी यूपी प्रशांत कुमार, उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह से लेकर कई जिलों के कप्तान, डीआईजी, आईजी और एडीजी स्तर के अधिकारी तक पहुंचे। पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले मोहर्रम, जगन्नाथ रथ यात्रा और कांवड़ यात्रा पर सबसे ज्यादा निगरानी दूधेश्वरनाथ मंदिर पर रहेगी। इसके साथ ही कांवड़ यात्रा के पूरे रूट की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और सीसीटीवी की जद में रखा जाएगा। पिछले वर्ष के आयोजनों की तुलना में इस बार अधिक सतर्कता और पुलिस बल की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

19 जुलाई को होगा बार एसोसिएशन गाजियाबाद का चुनाव

अध्यक्ष व सचिव की सहमति के बाद तय हुई नई तिथि

बुधवार को लंबी बैठक के बाद लिया निर्णय

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बार एसोसिएशन गाजियाबाद का चुनाव कब होगा यह लंबी मीटिंग के बाद तय हो गया है। बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अध्यक्ष राकेश कुमार त्यागी कैली और सचिव स्नेह त्यागी ने बुधवार को पत्र जारी करते हुए नए कार्यक्रम की घोषणा की है। इसके तहत अब 8 जुलाई को मतदाता सूची का प्रकाशन होना है और 19 जुलाई को सुबह 8 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। बता दें कि बीते कई दिनों से बार चुनाव अधिकारी व चुनाव संयोजक के बीच अलग-अलग विषय को लेकर तनातनी का माहौल चल रहा था।

सोमवार को जहां अध्यक्ष बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने 19 जुलाई को चुनाव की तिथि का ऐलान किया था, तो अगले ही दिन सचिव बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने इस तिथि का विरोध करते हुए 22 जुलाई की तिथि घोषित की थी। दोनों की तिथि अलग-अलग होने की वजह से हजारों वकीलों के बीच मतदान की स्थिति को लेकर कंफ्यूजन चल रहा था। वहीं बुधवार को दैनिक करंट क्राइम ने इस विषय को प्रमुखता के साथ उठाया था। इस मामले में अध्यक्ष और सचिव की संयुक्त बैठक होने के बाद संशोधित चुनाव कार्यक्रम में 19 जुलाई को बार एसोसिएशन गाजियाबाद की नई तिथि घोषित कर दी गई है।

08 जुलाई को मतदाता सूची का होगा प्रकाशन और 19 जुलाई को मतदान करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सचिव और अध्यक्ष ने संयुक्त पत्र जारी करते हुए बार एसोसिएशन गाजियाबाद के वर्ष 2024-25 के कार्यकारिणी चुनाव की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही चुनाव का पूरा कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत आठ जुलाई से लेकर 19 जुलाई तक बार एसोसिएशन के चुनाव की रणनीति बनाई गई है।

यह है पूरा कार्यक्रम

- मतदाता सूची का प्रकाशन 8 जुलाई को प्रात 11 बजे होगा।
- नामांकन तिथि 10 जुलाई व 11 जुलाई समय 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक।
- नामांकन वापसी की तिथि 12 जुलाई 11 से दोपहर 2 बजे तक।
- मतदान 19 जुलाई सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक।
- 19 जुलाई को ही देर रात तक परिणाम की घोषणा व मतगणना के बाद विजेता तय होंगे।

वोटर लिस्ट से कटे कई अधिवक्ताओं के नाम, स्वर्गीय की लिस्ट में दर्ज हैं नाम

करंट क्राइम। बार एसोसिएशन गाजियाबाद के चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं और अध्यक्ष से लेकर सचिव व अन्य पदों पर लड़ने वाले पदाधिकारियों ने अपना चुनाव प्रचार और इलेक्शन को जीतने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। बुधवार को जहां मतदान की तिथि तय हो गई है, तो वही मतदाता सूची प्रकाशन की डेट भी फिक्स कर दी गई है। इस बीच अधिवक्ताओं से जानकारी मिली है कि दर्जनों ऐसे अधिवक्ता है, जो बीते कई सालों से मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं लेकिन इस बार की वोटर लिस्ट से उनके नाम गायब बताए जा रहे हैं। वहीं कई अधिवक्ताओं का आरोप है कि वर्तमान वाली जो मतदाता सूची तैयार की गई है उसमें कई ऐसे अधिवक्ताओं का नाम भी शामिल है जिनका स्वर्गवासी हो चुके हैं। उधर बार एसोसिएशन गाजियाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ताओं का कहना है कि मतदाता सूची का प्रकाशन 8 जुलाई को होना है। उसमें देखने के बाद जो त्रुटियां हैं, उनको दूर कर लिया जाएगा। उधर बार एसोसिएशन गाजियाबाद के लिए अलग-अलग पद पर दावेदारी करने वाले पदाधिकारी मतदाता सूची को पूरी तरीके से फाइनल होने के बाद ही प्रकाशन की अपील कर रहे हैं।

संपादकीय

आखिर जवाबदेही किसकी!

अक्सर धार्मिक उत्सवों, मेलों, सत्संग, यज्ञ आदि के आयोजन में व्यवस्थागत खामियों के चलते भगदड़ मचने, दम घुटने, पंडाल वगैरह के गिरने से लोगों के नाहक मारे जाने की घटनाएं हो जाती हैं। इसके अनेक उदाहरण हैं, मगर उनसे शायद सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती और फिर नए हादसे हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुआ हादसा इसकी ताजा कड़ी है। बताया जा रहा है कि वहां महीने के पहले मंगलवार को तीन घंटे के सत्संग का आयोजन किया गया था। उसमें देश के अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालु आए हुए थे। करीब पचास हजार लोगों की भीड़ जुटी बताई जा रही है।

सत्संग की समाप्ति के बाद अचानक भगदड़ मच गई और सबा सौ से ऊपर लोग दब कर मर गए, दो सौ से अधिक के घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि सत्संग समाप्ति के बाद जब मुख्य महात्मा का काफिला वहां से रवाना हुआ तो भीड़ को जबरन रोक दिया गया। भीषण गर्मी और उमस के कारण कई लोग बेहोश हो गए, जिसकी वजह से भगदड़ मची। हालांकि हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और उसके बाद ही असली वजह पता चल सकेगी। निसंदेह इतने बड़े आयोजन में जुटने वाली भीड़ का अंदाजा आयोजकों को रहा होगा। इस भीषण गर्मी में हजारों लोगों के एक जगह इकट्ठे लोगों की क्या स्थिति होगी, इसका अनुमान भी उन्हें रहा होगा मगर फिर भी लोगों के लिए छाया-हवा-पानी का माकूल इंतजाम क्यों नहीं किया गया।

ऐसे आयोजनों में व्यवस्था की जिम्मेदारी आयोजक खुद उठाते हैं। वे अपने स्वयंसेवकों के जरिए आयोजन स्थल पर लोगों के प्रवेश और निकास का प्रबंध करते हैं। बताया जा रहा है कि इस सत्संग का आयोजन पिछले दस वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है। इसलिए इसके आयोजकों और स्वयंसेवकों में अनुभव की कमी भी नहीं मानी जा सकती। फिर कैसे उन्हें इस तरह के हादसे का अंदेशा नहीं था। अगर भीड़ मुख्य महात्मा के करीब पहुंचने या उनके काफिले के पीछे जाने को उतावली हो उठी, तो जाहिर है, ऐसा तभी हुआ होगा, जब दोनों के रास्ते अलग से तय नहीं किए गए थे। सवाल यह भी है कि बगैर व्यवस्था जांचे स्थानीय प्रशासन ने कैसे इस आयोजन की इजाजत दे दी। ऐसे हादसे न केवल धार्मिक आयोजनों में, बल्कि राजनीतिक रैलियों, विभिन्न मेलों, सांस्कृतिक उत्सवों आदि में भी हो चुके हैं। यह ठीक है कि निजी या सार्वजनिक प्रयासों से आयोजित होने वाले इतने विशाल कार्यक्रमों को संभालने के लिए स्थानीय स्तर पर पुलिस बल उपलब्ध कराना कठिन काम है, मगर इस तर्क पर प्रशासन की जवाबदेही समाप्त नहीं हो जाती।

गौरतलब है कि ऐसा आयोजन बिना प्रशासन की पूर्व अनुमति के नहीं हो सकता। फिर प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि आयोजन स्थल की व्यवस्था जांचे और आयोजकों की जवाबदेही तय करे। मगर जिन आयोजनों से लोगों की आस्था जुड़ी होती है, उनमें प्रशासन अक्सर ढीला ही देखा जाता है। आखिर कब इस तरह के हादसों को रोकने के लिए कोई सख्त नियम-कायदा बनेगा। ऐसे हादसों की जवाबदेही तय करने के लिए कब कोई नजीर बन सकने वाली कार्रवाई होगी। यहां एक शेर के साथ शब्दों को विराम दे रहे हैं कि...

- मौत को हादसा कह रहे हैं सभी
हादसों की क्यों मौत होती नहीं।

भारतीय रेलवे की माल ढुलाई से आय 11.1 प्रतिशत बढ़कर 14,798 करोड़ रुपये हुई

- भारतीय रेलवे के बयान के मुताबिक, 'हंगरी फॉर कार्गो' मंत्र के तहत रेलवे ने अपनी सर्विस क्वालिटी में काफी सुधार किया और कीमतों को प्रतिस्पर्धी बनाई गई है

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की माल ढुलाई से आय जून 2024 में 11.1 प्रतिशत बढ़कर 14,798.11 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि पिछले वर्ष समान अवधि में 13,316.81 करोड़ रुपये थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष जून में रेलवे ने 135.46 मिलियन टन कार्गो का परिवहन किया है। इस दौरान माल ढुलाई में सालाना आधार पर 10.07 प्रतिशत की बढ़त हुई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में यह 123.06 मिलियन टन थी। डेटा के मुताबिक, भारतीय रेलवे ने जून 2024 में 60.27 मिलियन टन कोयला (घरेलू उत्पादित कोयला) और 8.82 मिलियन टन आयातित कोयला, 15.07 मिलियन टन लौह अयस्क, 5.36 मिलियन टन पिग आयरन और तैयार स्टील, 7.56 मिलियन टन सीमेंट, 4.21 मिलियन टन खाद्य उत्पाद, 5.30 मिलियन टन उर्वरक, 4.18 मिलियन टन मिनरल ऑयल, 6.97 मिलियन टन कंटेनर और 10.06 मिलियन टन अन्य सामानों का परिवहन किया है। भारतीय रेलवे के बयान के मुताबिक, 'हंगरी फॉर कार्गो' मंत्र के तहत रेलवे ने अपनी सर्विस क्वालिटी में काफी सुधार किया और कीमतों को प्रतिस्पर्धी बनाई गई है। बयान में आगे कहा गया कि ग्राहक केंद्रित एप्रोच और बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट्स के काम करने के कारण रेलवे ने इतने शानदार नतीजे पेश किए हैं।

भारतीय शेयर बाजार रिकॉर्ड हाई पर बंद, सेंसेक्स ने पहली बार छुआ 80,000 का स्तर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए बुधवार का कारोबारी सत्र काफी शानदार रहा। एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के बाद बाजार के मुख्य सूचकांक उच्चतम स्तर पर बंद हुए हैं। सेंसेक्स 545 अंक या 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,986 और निफ्टी 162 अंक या 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,286 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने क्रमशः 80,074 और 24,309 का नया ऑल टाइम हाई बनाया। बैंकिंग शेयरों ने कारोबारी सत्र में बाजार की तेजी को सहारा दिया। निफ्टी बैंक 921 अंक या 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,089 पर बंद हुआ। छोटे और मझोले शेयरों में भी खरीदारी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 438 अंक या 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 56,293 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 191 अंक या 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,700 पर बंद हुआ। सेक्टर के हिसाब से देखें तो करीब सभी इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए हैं। पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक, मेटल और एफएमसीजी तेजी के साथ बंद हुए। सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, एसबीआई और जेएसडब्ल्यू स्टील टॉप गेनर थे।

भारत का कोयला उत्पादन जून में 14.5 प्रतिशत बढ़कर 84.6 मिलियन टन पहुंचा

नई दिल्ली। भारत का कोयला उत्पादन जून में रिकॉर्ड 14.5 प्रतिशत बढ़कर 84.63 मिलियन टन हो गया है, जो कि पहले पिछले वर्ष समान अवधि में 73.92 मिलियन टन था। कोयला मंत्रालय की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा जून में 63.10 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया। इसमें सालाना आधार पर 8.87 प्रतिशत की बढ़त हुई है। पिछले वर्ष यह 57.96 मिलियन टन था। वहीं, अन्य कंपनियों द्वारा बीते महीने 16.03 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया गया। पिछले वर्ष के मुकाबले इसमें 55.49 प्रतिशत की बढ़त हुई है। जून 2024 में सीआईएल की ओर से 64.10 मिलियन टन कोयला पहुंचाया गया। इसमें सालाना आधार पर 5.41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष समान अवधि में ये आंकड़ा 60.81 मिलियन टन था। वहीं, अन्य कोल कंपनियों की ओर से जून में 16.26 मिलियन टन (प्रोविजनल) कोयला पहुंचाया गया। इसमें 43.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 11.30 मिलियन टन था। कोयला कंपनियों की ओर से किया जाने वाला कोयला भंडारण (जून 30 तक) सालाना आधार पर 41.68 प्रतिशत बढ़कर 95.02 मिलियन टन हो गया है। थर्मल पावर प्लांट्स (टीपीपी) में कोयले का भंडारण सालाना आधार पर 30.15 प्रतिशत बढ़कर 46.70 मिलियन टन हो गया है। बता दें, गर्मी के दिनों में बिजली की मांग बढ़ने के कारण टीपीपी पर कोयले की मांग अधिक बढ़ जाती है। जून 2024 में इंडिया एनर्जी एक्सचेंज पर इलेक्ट्रिसिटी वॉल्यूम 24.7 प्रतिशत बढ़कर 10,185 मिलियन यूनिट (एमयू) रहा है।

भारत में बीएमडब्ल्यू की कार बिक्री 21 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया की बिक्री में 2024 की पहली छमाही में 21 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया भारत में बीएमडब्ल्यू और मिनी ब्रांड के तहत कारों की बिक्री करता है। वहीं, बीएमडब्ल्यू मोटरराड के तहत बाइकों की बिक्री करता है। पहली छमाही में बीएमडब्ल्यू ब्रांड के तहत 6,734 कारों और मिनी के तहत 364 कारों की बिक्री हुई है। वहीं, बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने 3,614 मोटरसाइकिलों की बिक्री की है। कंपनी की ओर से इस दौरान 397 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की गई है। कंपनी ने बताया कि अब तक 2,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचने वाली बीएमडब्ल्यू पहली लग्जरी कार कंपनी है। बीएमडब्ल्यू आईएक्स भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली लग्जरी इलेक्ट्रिक कार है। इसके 1,000 से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री हुई है। बीएमडब्ल्यू लग्जरी क्लास वाहन सेगमेंट में 17 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसका कुल बिक्री में योगदान 18 प्रतिशत है। बीएमडब्ल्यू एक्स 7 सबसे ज्यादा बिकने वाला लग्जरी मॉडल है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पाहवा ने कहा कि हमारे वाहनों के प्रति मजबूत आकर्षण ने हमारी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के साथ-साथ हमें ड्राइविंग में इनोवेशन करने के लिए प्रेरित किया है। बीएमडब्ल्यू स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स (एसएवी) का बिक्री में योगदान 54 प्रतिशत का रहा है। इसमें 24 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। बीएमडब्ल्यू एक्स 1 कंपनी की सबसे लोकप्रिय एसएवी है। इसकी बिक्री में हिस्सेदारी 19 प्रतिशत है। बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली सेडान कार है।

राशिफल

मेष: सरकारी नौकरी मिलने की प्रबल संभावना है। मनोकामना पूर्ति का समय चल रहा है, चौतरफा लाभ होगा, धन के क्षेत्र में वृद्धि योग बन रही है।

वृष: आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी। लेखन कार्य से आर्थिक लाभ होगा। मेहनत रंग लाने की संभावना है। आध्यात्मिक विकास का योग बनना।

मिथुन: अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलने की अधिक संभावना है। परिवार को नए मेहमान मिलने की उम्मीद है। पत्नी को सुख मिलेगा।

कर्क: आज अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं, योग बड़ी सफलता के योग बन रहा है. छात्रों और उनके करियर के लिए अच्छा समय है।

सिंह: नए व्यापार में लाभ होगा, व्यापार में लाभ होगा। साहित्य जगत के लिए साहित्य जगत से आमदनी का जरिया मिलेगा, दरबार से लाभ होगा।

कन्या: लेखन और साहित्य के क्षेत्र में आपको लाभ होगा, मान-सम्मान मिलने की संभावना है. जमीन और संपत्ति खरीदने का सबसे अच्छा समय है।

तुला: मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में लाभ मिलेगा। आयात और निर्यात का योग बन रहा है। परिवार में गुड लक। आपको अचानक किसी स्रोत से धन की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक: धन मिलने की संभावना है। अच्छे कामों से मन में प्रसन्नता और भाई-बहनों का सुख प्राप्त होगा। नई नौकरियां और नए उद्योग स्थापित होने की संभावना है।

धनु: आज अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। संपादन और संपादन के कार्य से आपको लाभ होगा। विदेश यात्रा योग बनता जा रहा है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर: क्रोधित और झटपट निर्णय लेने से बचें, चोट लग सकती है। व्यापार के नए अवसर मिलेंगे, अच्छे कार्य के अवसर मिलेंगे, भूमि और वाहन खरीदने की संभावनाए।

कुंभ: परिवार में अच्छे कार्यों की संभावना है। भाई-बहनों के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। भाई-बहन के सुख में वृद्धि की संभावना है। व्यापार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

मीन: अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। भावेश में कोई काम न करें, नुकसान हो सकता है। वाणी से धन मिलने की संभावना है। समय का सदुपयोग करें।

चुटकुले

एक मच्छर परेशान बैठा था।
दूसरे ने पूछा - भाई क्या हुआ तुझे?
पहला बोला - यार गजब हो रहा है।
चूहेदानी में चूहा, साबुनदानी में साबुन, मगर
मच्छरदानी में आदमी सो रहा है।

पत्नी - आप मुझे बार-बार सोरी मत बोला करो ...!
पति - क्यों?
पत्नी - क्योंकि मेरा लड़ने का सारा मूड ही
खराब हो जाता है ... !!!

एक शराबी आँखे दान करने गया!!
काउंटर क्लर्क ने पूछा कुछ कहना चाहते हो??
शराबी - हाँ, जिसे भी लगाओ, उसे बता देना 2 घूँट
लेने के बाद ही खुलती है!!

आज का ज्ञान, मर्द अगर औरत के लिए अपनी गर्दन भी कटवा ले तो वह यही कहेंगी, सही नहीं कटवाई, थोड़ी नीचे से कटवानी थी ना।

रोचक तथ्यों का करंट

- विलियम हावर्ड टाफ्ट फिलीपींस के अमेरिकी गवर्नर बन गए थे।
- अफ्रीकी-अमेरिकी मुक्केबाज जैक जॉनसन ने हेवीवेट मुक्केबाजी मैच में व्हाइट बॉक्सर जिम जेफरीज को हराया था।
- उत्तरपूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में भारी गर्मी की लहर ने 11 दिनों में 380 लोगों की हत्या कर दी थी।
- राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने 1913 के महान पुनर्मिलन में अमेरिकी गृह युद्ध के दिग्गजों को संबोधित किया था।
- मेहम वी की मृत्यु 73 वर्ष की आयु में हुई और तुर्क सुल्तान मेहमद छठी सिंहासन पर चढ़ गई थी।
- लॉकहीड वेगा ने अपनी पहली उड़ान भरी थी।
- लियो स्विसर्ड श्रृंखला-प्रतिक्रिया डिजाइन पेटेंट करता है जिसे बाद में परमाणु बम में उपयोग किया जाएगा।
- कुर्स्क की लड़ाई, इतिहास में सबसे बड़ी पूर्ण पैमाने पर लड़ाई और दुनिया की सबसे बड़ी टैंक लड़ाई, प्रोखोरोव्का गांव में शुरू हुई थी।
- शीत युद्ध का रेडियो फ्री यूरोप का पहला प्रसारण हुआ था।
- विलियम शॉकली ने जंक्शन ट्रांजिस्टर के आविष्कार की घोषणा की थी।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606315 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

04 07 2024

आज के जन्मदिन

रिया चौहान

रेखा शिशौदिया

डॉ. ओपी अग्रवाल

डीडी यादव

प्रेमप्रकाश गर्ग

दीपक कुमार

डॉ० पंकज त्यागी

कार्तिक सत्यपाल गुर्जर

सेलेब्रिटी जन्मदिन

नीना गुप्ता
अभिनेत्री

राहुल तंवर

कपिल कुमार

मोहित नामदेव

प्रवीण स्वामी

अशरफ कुरैशी

श्याम सुंदर सिंह

मनीपाल सिंह बिष्ट

भारत राठी

दुष्यंत यादव

अनिल अरोड़ा

उमर फारुख

गौरीशंकर

विष्णु कुमार

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

तुर्की ने ऑस्ट्रिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लीपजिग। मेरिह डेमिरल के दो गोल की बदौलत तुर्की ने मंगलवार देर रात लीपजिग के रेड बुल एरिना में यूरो 2024 के 16वें राउंड के मैच में ऑस्ट्रिया को 2-1 से हरा दिया। तुर्की ने मुकाबले की शानदार शुरूआत की और यूरो टूर्नामेंट के नॉकआउट चरणों में सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया। ऑस्ट्रिया कॉर्नर के बाद गेंद को क्लियर नहीं कर सका, जिससे डेमिरल ने मैच के 57 सेकंड बाद ही पहला गोल कर दिया। ऑस्ट्रिया ने भी पलटवार किया, लेकिन क्रिस्टोफ बॉमगार्टनर ने बराबरी हासिल करने के दो मौके गंवा दिए। ऑस्ट्रियाई टीम तुर्की के खिलाफ अधिक मौके बनाने के लिए संघर्ष करती रही और ब्रेक तक गोलरहित रही। इस बीच, विन्सेन्जो मोंटेला की टीम खतरनाक बनी रही, डेमिरल ने एक और गोल किया। जिससे तुर्की 2-0 से आगे हो गई। जवाब में, ऑस्ट्रिया ने गति पकड़ी और तुर्की के डिफेंस को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, मार्को अरनॉटोविक गोलकीपर मर्ट गुनोक को नहीं हरा पाए। ऑस्ट्रिया ने बराबरी की तलाश में हर खिलाड़ी को आगे बढ़ाया, जबकि तुर्की ने अपने सभी खिलाड़ियों को गेंद के पीछे रखा, ताकि जवाबी हमले के अवसरों की प्रतीक्षा की जा सके। बारिस यिलमाज के पास इन जवाबी हमलों को खत्म करने का सुनहरा मौका था, लेकिन बॉक्स के अंदर से गोलकीपर पैट्रिक पेंट्ज को चकमा देने के लिए वे लक्ष्य से चूक गए। इस परिणाम के साथ, तुर्की 2008 के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया, जहां शनिवार को बर्लिन के ओलंपिया स्टेडियम में उसका सामना नीदरलैंड से होगा। ऑस्ट्रिया के कोच रैंगनिक ने कहा, ₹हमें भाग्य का साथ नहीं मिला और मेरा मानना है कि अगर मैच अतिरिक्त समय तक चला होता, तो हम जीत जाते। हमारे पास बराबरी का गोल करने का समय था। हमने अपने मौकों का भरपूर फायदा नहीं उठाया।

हार्दिक पांड्या टी 20 रैंकिंग में संयुक्त रूप से नए शीर्ष ऑलराउंडर बने

दुबई। भारत के 2024 पुरुष टी20 विश्व कप अभियान में हार्दिक पांड्या के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें बुधवार को ताजा आईसीसी पुरुष टी20 रैंकिंग अपडेट में शीर्ष रैंक वाला ऑलराउंडर बना दिया है। पांड्या दो पायदान ऊपर चढ़कर श्रीलंका के लेग-स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसारंगा के बराबर शीर्ष क्रम के पुरुष टी20 ऑलराउंडर बन गए हैं। पहली बार भारत के किसी खिलाड़ी ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने निचले क्रम में 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें एंटीगा में बांग्लादेश के खिलाफ 27 गेंदों में नाबाद अर्धशतक भी शामिल है। उन्होंने गेंद से भी 11 विकेट लिए और फाइनल में हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर को आउट करके बड़ा योगदान दिया, साथ ही तनावपूर्ण अंतिम ओवर में 16 रनों का बचाव करते हुए भारत को दूसरी बार टी20 विश्व कप खिताब जीतने में मदद की। अपने शानदार 15 विकेटों के लिए टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीतने वाले तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह 12 स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए, जो 2020 के अंत के बाद से उनका सर्वोच्च स्थान है।

भारत-पाकिस्तान मुकाबला लाहौर में हो सकता है

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च तक खेला जाएगा, जिसमें 10 मार्च रिजर्व डे होगा। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद(आईसीसी) ने विंडो तलाशना शुरू कर दिया है। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले साल एक मार्च को लाहौर में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम का अहम मैच तय किया है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक अस्थाई कार्यक्रम पर अपनी सहमति नहीं दी है।

आईसीसी बोर्ड के एक वरिष्ठ सदस्य ने बुधवार को पीटीआई को यह जानकारी दी।

बीसीसीआई ने अब तक नहीं दी मंजूरी

1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी बड़े आईसीसी टूनार्मेंट की मेजबानी करेगा, हालांकि उसने 2008 में पूरे एशिया कप की मेजबानी की थी और पिछले साल भी इसी टूनार्मेंट के कुछ मैच अपनी सरजमीं पर कराए थे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि करनी है कि वह राष्ट्रीय टीम को आईसीसी टूनार्मेंट के लिए पाकिस्तान भेजेगा या नहीं।

पीसीबी अध्यक्ष ने प्रस्तुत किया 15 मैचों का कार्यक्रम

रिपोर्ट के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने 15 मैचों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया है। जिसमें भारत के सभी मैच सुरक्षा और तार्किक कारणों से लाहौर में रखे गए हैं। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, ₹पीसीबी ने 15 मैचों की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट प्रस्तुत किया है। लाहौर में सात मैच, कराची में तीन और रावलपिंडी में पांच मैच होंगे। शुरूआती मैच कराची में होगा, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। इसके अलावा फाइनल मुकाबला लाहौर में खेला जाएगा। सभी भारतीय मैच (सेमीफाइनल सहित, यदि टीम क्वालीफाई करती है) लाहौर में होंगे।

दो ग्रुप में बटीं आठ टीमें

भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। हाल ही में आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी, जब सुरक्षा टीम ने आयोजन स्थलों और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था।

पंकज आडवाणी की एशियाई बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में विजयी शुरूआत

रियाद। एशियाई बिलियर्ड्स खिताब की हैट्रिक की कोशिश में लगे शीर्ष भारतीय क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने अपने शुरूआती मैच में म्यांमार के आंग फ्यो को 4-2 से हराकर 2024 एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। दूसरे मैच में, वह थाईलैंड के युट्टापॉप पाकपोज पर 4-3 से रोमांचक जीत में विजयी हुए। आडवाणी ने अपनी जीत के बाद कहा, टूनार्मेंट को सकारात्मक तरीके से शुरू करना हमेशा अच्छा होता है। इन दो जीतों ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है और मेरी नजरें अपने लक्ष्य पर हैं। यह देखते हुए कि खेल काफी अप्रत्याशित है, मैं नहीं हूं। आंग फ्यो के खिलाफ पहले मैच में, भारतीय ने मजबूत प्रदर्शन के साथ शुरूआती बढ़त हासिल की, फ्रेम 1 को 100(86)-35 के स्कोर के साथ जीता। फ्रेम 2 में अपनी गति जारी रखते हुए, आडवाणी ने फ्रेम पर अपना दबदबा बनाया और इसे 104-34 पर समाप्त किया। हालाँकि, फ्यो ने संघर्ष किया और फ्रेम 3 में आडवाणी को 101(54) - 83(66)से हरा दिया। फ्यो ने एक और करीबी फ्रेम 100(61)-35 से जीतकर मैच बराबर कर दिया। आडवाणी दबाव में शांत रहे और नियंत्रण हासिल करते हुए अगला फ्रेम 100(53)-26 से जीत लिया और फिर उन्होंने छठे फ्रेम में 100(100)-14 की जबरदस्त जीत के साथ मैच अपने नाम कर लिया। अपने दूसरे मैच में, आडवाणी ने रोमांचक जीत में थाईलैंड के पाकपोज को हराया। यह मैच भावनाओं से भरा हुआ था, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फ्रेम 1 में, पंकज ने शानदार शुरूआत करते हुए अभूतपूर्व ब्रेक के साथ 100(93)-00 से जीत हासिल की। उन्होंने अपना दबदबा जारी रखते हुए अगला फ्रेम 101-03 से जीत लिया। हालाँकि, युट्टापॉप ने संघर्ष करते हुए फ्रेम 100-61 से जीत लिया। आडवाणी ने लगभग सटीक फ्रेम के साथ जवाब दिया और इसे 102(99)-05 हासिल कर लिया। फ्रेम 5 में, युट्टापॉप ने लचीलापन दिखाया, और कड़ी टक्कर वाली लड़ाई 101(60)-79(70) से जीत ली। आत्मविश्वास से लबरेज युट्टापॉप ने फ्रेम 100-80 से लेकर मैच बराबर कर लिया। निर्णायक अंतिम फ्रेम में, आडवाणी ने साहस का प्रदर्शन करते हुए फ्रेम और मैच 100(72)-18 से जीत लिया।

सफेद गेंद के लिए ऑस्ट्रेलिया के पास विशेषज्ञ कोच होना चाहिए: मार्क वॉ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने टीम के लिए सफेद गेंद का विशेषज्ञ कोच नियुक्त करने का आग्रह किया है। पिछले महीने मिचेल मार्श की अगुआई वाली टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई थी, जिसके बाद टीम के भविष्य को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप बी से शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सुपर आठ में जगह बनाई, लेकिन अफगानिस्तान और भारत से हारने के बाद यह टीम सेमीफाइनल से चूक गई। 2021 के विजेता ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले 2022 में घरेलू धरती पर टी20 विश्व कप नॉकआउट तक नहीं पहुंची थी। फॉक्स स्पोर्ट्स के द बैक पेज शो में वॉ ने कहा, मुझे लगता है कि हमें सफेद गेंद के लिए एक अलग कोच रखकर एक नई शुरूआत की जरूरत है। हमें नए लोगों की जरूरत है, कोई ऐसा व्यक्ति जो आकर कुछ बदलाव करे। खास तौर पर हमें टी20 टीम पर ध्यान देना होगा। मार्क वॉ ने टूनार्मेंट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के चयन निर्णयों की भी आलोचना की, जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए मिचेल स्टार्क को बाहर रखना भी शामिल था, जिसमें वे 21 रन से हार गए। उन्होंने आगे कहा कि युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और विकेटकीपर जोश इंगलिस को प्रतियोगिता में किसी न किसी चरण में खेलना चाहिए था। उन्होंने कहा, हमें टी20 क्रिकेट में नए सिरे से शुरूआत करने की जरूरत है। हमारी टीम में और टीम के आसपास जितनी प्रतिभा है, उससे हमें इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं, जो उस टूनार्मेंट में नहीं खेले। ऑस्ट्रेलिया सितंबर में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगा।

जोकोविच बिना किसी परेशानी के दूसरे दौर में, महिला गत चैंपियन बाहर

लंदन। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने ग्रास कोर्ट पर अपना मास्टर क्लास दिखाते हुए चेक गणराज्य के विट कोपरीवा को लगातार सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया जबकि महिला वर्ग में गत चैंपियन माकेर्टा वोन्द्रूसोवा पहले दौर में हारकर बाहर हो गयीं।

घुटने की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटने वाले जोकोविच ने अपनी शानदार वापसी में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं दिखाई और पूरे मुकाबले के दौरान वो सहज दिखे। जोकोविच ने मैच के दौरान सिर्फ 16 बेजां भूलें कीं और अपनी पहली सर्विस पर 90 फीसदी अंक बटोरे।

इस बीच चौथी सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव शानदार शुरूआत करते हुए रॉबर्टो काबार्लेस बायेना को 6-2, 6-4, 6-2 से हराकर आठ बार टूनार्मेंट में अपनी उपस्थिति में से सातवीं बार दूसरे दौर में पहुंच गए। ज्वेरेव ने मैच में 18 एस सहित 46 विनर्स लगाए। उधर विश्व नंबर छह आंद्रेई रुब्लेव पहले दौर में हारकर टूनार्मेंट में अब तक बाहर होने वाले सर्वोच्च रैंक के खिलाड़ी बन गए। रुब्लेव को 122वीं रैंकिंग के अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना ने 6-4, 5-7, 6-2, 7-6(5) से हराकर बड़ा उलटफेर किया। महिला वर्ग के सबसे बड़े उलटफेर में गत चैंपियन चेक गणराज्य की माकेर्टा वोन्द्रूसोवा पहले दौर में बाहर हो गयीं। विश्व में 83वें नंबर की खिलाड़ी बोजास मनीरो ने मात्र 67 मिनट में वोन्द्रूसोवा को 6-4, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया।

स्पेन की मनीरो ने अपने सभी पांच ब्रेक अंक भुनाए।ओपन युग में वोन्द्रूसोवा पहले दौर में हारने वाली दूसरी गत चैंपियन बन गयी हैं। इससे पहले 1994 में तीन बार की गत चैंपियन स्टेफी ग्राफ पहले दौर में बाहर हुई थीं।

भारतीय टीम जिम्बाब्वे पहुंची, कल को खेलेगी सीरीज का पहला टी20

हरारे। शुभमन गिल की अगुवाई और एनसीए के क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के कोच के रूप में मार्गदर्शन वाली युवा भारतीय टीम 6 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले रॉबर्ट गेब्रियल मुगाबे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंच गई। जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) के एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में भारतीय टीम हरारे एयरपोर्ट पर दिखाई दे रही है। मंगलवार को जब पूरी भारतीय टीम हरारे पहुंचने के लिए मुंबई से रवाना हुई, तो गिल न्यूयॉर्क से यहां पहुंचे, जहां वे टी20 विश्व कप के लिए यूएसए में भारत के ग्रुप ए चरण के मैचों में शामिल थे। बुधवार देर रात जिम्बाब्वे ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा, हम टी20 विश्व कप चैंपियन भारत का स्वागत करते हैं।" बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, जिन्होंने अपना पहला भारतीय कॉल-अप अर्जित किया, ने पहली बार भारतीय टीम के साथ यात्रा करने की अपनी भावनाओं के बारे में बताया। अभिषेक शर्मा ने कहा, जिस दिन से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, मेरा एक ही सपना था, वह था देश के लिए खेलना। मुझे पता है कि अगर मैं कड़ी मेहनत करता रहा, तो मुझे टीम में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। लेकिन मुझे नहीं पता था कि मुझे भारत के बाहर जिम्बाब्वे में यह मौका मिलेगा। टीम में मेरे नाम की घोषणा के बाद मुझे कप्तान शुभमन गिल का फोन आया। सभी मेरा नाम टीम इंडिया में चुने जाने पर बहुत खुश हैं। इस मौके ने न केवल मुझे एक नया रास्ता दिया , बल्कि अपने सपने को हकीकत में बदलने का मौका भी दिया। युवा बल्लेबाजी ऑलराउंडर रियान पराग ने कहा कि वह दौरे के लिए बहुत उत्साहित हैं। भारत का जिम्बाब्वे का पांच मैचों का टी20 दौरा 6-14 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हो रहा है। यह चौथी बार होगा जब भारत जिम्बाब्वे की मेजबानी में द्विपक्षीय पुरुष टी20 श्रृंखला खेलेगा, इससे पहले जिम्बाब्वे ने क्रमशः 2010, 2015 और 2016 में भारत की मेजबानी की थी। सोमवार को, बीसीसीआई ने घोषणा की थी कि संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल की जगह पहले दो मैचों के लिए बी साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है, जो विजयी टी20 विश्व कप विजेता टीम के साथ स्वदेश लौटेंगे।

जानलेवा दुर्घटना से टी20 विश्व कप जीतने पर पंत ने कहा, 'भगवान की अपनी योजना है'

नई दिल्ली। कई लोग इस बात को लेकर अनिश्चित थे कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी वापसी पर कैसा प्रदर्शन करेंगे। पंत ने आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए 13 मैचों में 446 रन बनाए थे और स्टंप के पीछे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। विश्व कप में पंत ने टीम में अपने नए नंबर तीन स्थान पर रहते हुए आठ पारियों में 24.42 के औसत और 127.61 के स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए, जिससे भारत ने बारबाडोस में दूसरी बार ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपने विकेटकीपिंग कौशल से भी प्रभावित किया, 13 कैच लपके और एक स्टंपिंग करके पुरुष टी20 विश्व कप के किसी भी संस्करण में एक कीपर द्वारा सर्वाधिक शिकार करने का रिकॉर्ड बनाया। अत्यंत पीड़ा और भविष्य को लेकर अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे पंत अब खुद को टी20 विश्व कप चैंपियन के रूप में पाते हैं। भारतीय टीम के साथ बारबाडोस से नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले, पंत ने सोशल मीडिया पर उस उल्लेखनीय 18 महीने की अवधि को प्रतिबिंबित किया, जब वे बैसाखी के सहारे सीढ़ियां चढ़ने, सरकने और दौड़ने जैसी सभी साधारण चीजें करते थे। पंत ने लिखा, धन्य, विनम्र और आभारी। भगवान की अपनी योजना है। एक अन्य पोस्ट में, पंत ने अपने विजेता पदक के साथ तस्वीर खिंचवाई और कैप्शन दिया, यह पदक आप पर अलग तरह से प्रभाव डालता है।

विनेश फोगाट ने स्पेन का वीजा पाने के लिए अधिकारियों से 'तत्काल मदद' मांगी

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता महिला पहलवान विनेश फोगाट ने स्पेन के लिए वीजा में देरी होने पर बुधवार को खेल मंत्री मनसुख मंडाविया, विदेश मंत्रालय और अन्य अधिकारियों से ₹तत्काल मदद₹ मांगी। विनेश, जो मैड्रिड में स्पेन की ग्रां प्री 2024 में प्रतिस्पर्धा करेंगी, उसकी उड़ान आज रात (बुधवार रात) के लिए निर्धारित है, लेकिन उसे अभी तक अपना वीजा नहीं मिला है। विनेश ने एक्स को संबोधित करते हुए संबंधित अधिकारियों से मामले की निगरानी करने का अनुरोध किया। उन्होंने अपने पोस्ट में विदेश मंत्रालय के साथ-साथ खेल मंत्री और बेंगलुरु में फ्रांस के महावाणिज्य दूतावास को भी टैग किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, प्रिय अधिकारियों, मैं तत्काल मदद का अनुरोध कर रही हूं। मैंने 24 जून को बेंगलुरु में अपने शेंगेन वीजा के लिए आवेदन किया था। मुझे 6 जुलाई को स्पेन में एक प्रतियोगिता के लिए आज रात निकलना है लेकिन मेरे वीजा के बारे में कोई जानकारी नहीं है।" स्पेन में प्रतियोगिता 5 से 7 जुलाई तक निर्धारित है और महिलाओं की प्रतियोगिता 6 जुलाई को होगी। विनेश फोगाट का स्पेन के मैड्रिड में एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने का कार्यक्रम है जिसके बाद उन्हें फ्रांस के बोलोग्ने सुर-मेर में एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेना है।

सीए चीफ निक हॉकले ने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज को लेकर जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को हाल ही में सम्पन्न टी20 वर्ल्ड कप के लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया को हराने पर बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध बहाल करने को लेकर प्रतिबद्धता भी जताई है। इस साल मार्च में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ पुरुष टी20 सीरीज को स्थगित कर दिया था। ये सीरीज इस साल अगस्त में खेली जानी थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने देश में महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों में गिरावट का हवाला देते हुए ये फैसला किया था। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज भी स्थगित कर दी थी। हॉकले ने मीडिया बातचीत में आईएएनएस के सवाल के जवाब में कहा, हम प्रगति की उम्मीद करते हैं और हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा व संपर्क बनाए रखना जारी रखेंगे। उन्होंने बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ एक शानदार टूनार्मेंट बड़े जुनून के साथ खेला। हमारे द्विपक्षीय मैचों के संबंध में हमने हितधारकों के साथ परामर्श किया है, इसमें ऑस्ट्रेलिया की सरकार भी शामिल है, और मानवाधिकार के आधार पर अफगानिस्तान के साथ हमारी पिछली कुछ सीरीज को स्थगित करने का फैसला किया है।" उन्होंने आगे कहा, हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ नजदीकी संबंध और नियमित बातचीत बनाए रखते हैं और दुनिया भर में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए क्रिकेट को विकसित होते देखना चाहते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीजें आगे बढ़ेंगी और हम अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा व संपर्क बनाए रखना जारी रखेंगे। इन सब चीजों का लक्ष्य भविष्य में अफगानिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय क्रिकेट को फिर से शुरू करना है। सीए प्रमुख ने अफगानिस्तान की महिला टीम के ऑस्ट्रेलिया में निर्वासन और उनके खेलने को लेकर आईसीसी से अनुरोध करने पर प्रकाश डाला। हॉकले ने पुष्टि की कि आईसीसी की आगामी मीटिंग में इस विषय पर चर्चा होने की संभावना है, साथ ही यह भी बताया कि कई अफगान महिला क्रिकेटर पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में स्थानीय क्रिकेट क्लबों के साथ जुड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में मौजूद अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटरों ने आईसीसी को लिखित तौर पर अनुरोध किया है। जुलाई में कोलंबो में हमारी मीटिंग होने वाली हैं और मुझे यकीन है कि इस विषय पर भी बातचीत होगी। ऑस्ट्रेलिया में अफगान महिलाएं क्रिकेट समुदाय के साथ जुड़ी हुई हैं , लेकिन इसमें हम सीधे तौर पर शामिल नहीं थे। हॉकले ने ऑस्ट्रेलिया में भारत और पाकिस्तान के बीच ट्राई-सीरीज आयोजित करने की संभावनाओं के भी संकेत दिए। भारत-पाकिस्तान ने 2012-23 सीजन के बाद कोई भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेले हैं, दोनों देश केवल आईसीसी प्रतियोगिताओं में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। हॉकले ने कहा, पाकिस्तान और भारत पारम्परिक प्रतिद्वंदी हैं, इनके मैचों को लेकर काफी उत्साह रहता है। हालांकि अभी इस तरह की सीरीज को लेकर औपचारिक बातचीत नहीं हुई है, लेकिन हॉकले का कहना है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपनी ओर से ऐसी पहल करने के लिए तैयार है।

शाकिब अल हसन बांग्लादेश के भारत दौरे में खेलने को लेकर अनिश्चय की स्थिति में

नई दिल्ली। बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कहा कि वह इस साल सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे का हिस्सा बनने को लेकर अनिश्चय की स्थिति में हैं। बांग्लादेश को 19 सितंबर से 12 अक्टूबर तक भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं, जिसके मेजबान शहर चेन्नई, कानपुर, धर्मशाला, नई दिल्ली और हैदराबाद होंगे। उनकी भारत यात्रा अगस्त में पाकिस्तान के दो मैचों के टेस्ट दौर के बाद होगी। 2024 पुरुष टी20 विश्व कप में खेलने के बाद, शाकिब 5 जुलाई से यूएसए में शुरू होने वाले आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीजन दो में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स के लिए खेलने को तैयार हैं। शाकिब ने यूएसए के लिए प्रस्थान करने से पहले हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा,मेरे पास ज्यादा योजनाएं नहीं हैं। मेरे सामने दो टी20 टूनार्मेंट हैं एक एमएलसी है और दूसरा कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग है और मुझे देखने दीजिए कि इन दोनों टूनार्मेंटों को खेलने के बाद मैं कहां खड़ा हूं क्योंकि मुझे यह समझने की जरूरत है (मैं कैसे महसूस करूं)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और पाकिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला है और मैं उस समय तक की योजना बना रहा हूं और उससे आगे की योजना नहीं बना रहा हूं। अब मेरे पास तीन चार साल की योजना बनाने का समय नहीं है और इसलिए तीन से छह महीने की योजना बनाना बेहतर है और बाद में अपनी अगली योजना के बारे में सोचूंगा और इसलिए अब तक मैं पाकिस्तान श्रृंखला तक की योजना बना रहा हूं। शाकिब ने यह भी खुलासा किया कि तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने के लिए अपने साथियों से माफी मांगी थी, क्योंकि वह टीम बस से चूक गए थे और एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में सुपर आठ मुकाबले के लिए देर से पहुंचे थे।

गाजियाबाद में दिल्ली से छोड़े जा रहे बंदर: मेयर

केजरीवाल और उनके लोग इसी धंधे में लगे रहते हैं, अब हम जंगलों में छुड़वाएंगे'

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बंदरों की बढ़ रही तादात पर इखढ की मेयर सुनीता दयाल का बयान सामने आया है। उन्होंने इसका ठीकरा दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार पर फोड़ा है। मेयर ने सीधे तौर पर कहा है कि दिल्ली की तरफ से रात में बंदर गाजियाबाद छोड़े जा रहे हैं। मेयर सुनीता दयाल ने एक बयान में कहा- 'बहुत सारे बंदर दिल्ली की तरफ से रात को छोड़ दिए जा रहे हैं। ये केजरीवाल, उनका नगर निगम और उनके लोग यही धंधे में लगे रहते हैं। उसमें हमने वन विभाग से बात की है। किसी तरह से इन बंदरों का जो भी खर्चा हो, उस पर पकड़कर जंगल में छोड़ा जाए।' 'जंगल खत्म हो गए, ऐसे में बंदर कहां जाए' उन्होंने कहा- (पीपल्स फॉर एनिमल) संस्था के कारण लोगों के हाथ बंधे हुए हैं। कोई बेजुबानों पर एक्शन लेता है तो संस्था के लोग उनके खिलाफ कंप्लेंट कर देते हैं।

निसंदेह मेनका गांधी अच्छा काम कर रही हैं, लेकिन उन्हें जानवरों की बढ़ती समस्या का भी कुछ समाधान करना चाहिए।

जंगल खत्म हो गए हैं। ऐसे में आबादी वाले इलाकों में बंदरों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में बंदर अपना पेट भरने के लिए कहां जाएं? उद्यान विभाग और वन विभाग से पूछूंगी कि इसका सॉल्यूशन क्या है? हम सब मिलकर इसका सॉल्यूशन निकालेंगे'

'कुत्तों का ट्रीटमेंट हो रहा'

मेयर ने कुत्तों की बढ़ती संख्या पर भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा- कुत्तों का ट्रीटमेंट करके हमें वहीं छोड़ना होता है, जहां वो रहते हैं। हमने इसके लिए एक वैन लगा रखी है। एक हाउस भी जल्द बनने जा रहा है। जहां तक बंदरों की बात है, जंगल तो कटते जा रहे हैं। बहुत सारे बंदर दिल्ली की तरफ से रात को छोड़ दिए जाते हैं, ये पक्की सूचना है। जब बंदर दिल्ली से छोड़ते हैं तो लोग डरकर भागते हैं। हो सकता है कि तब किसी को काट लिया हो।

डेल्टा कॉलोनी में 5 दिन में 6 को काटा

गाजियाबाद के ट्रांस हिंडन क्षेत्र स्थित डेल्टा कॉलोनी में बीते पांच दिन में बंदरों ने छह लोगों को काटा है। लोगों का कहना है कि बंदर समूह में निकलते हैं।

छतों से लेकर पार्कों तक बंदरों का आतंक बना रहता है। शालीमार गार्डन, न्याय खंड और वसुंधरा एरिया में एक महीने में करीब 30 से ज्यादा लोगों को बंदरों द्वारा काटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

युवक के आत्महत्या करने के मामले में महिला सहित दो गिरफ्तार

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र की एवन कॉलोनी निवासी युवक द्वारा ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित दो को गिरफ्तार कर लिया है। रालोद नेता की तलाश में पुलिस की तीन टीम दबिश दे रही हैं। नगर की एवन कॉलोनी निवासी सलीम ने एक जुलाई की रात को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या करने से पहले युवक ने दो वीडियो बनाए थे। वीडियो में युवक ने एक महिला पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया था और रालोद नेता समेत दो लागों पर दबाव बनाने की बात कहीं थी। दुष्कर्म का केस वापस नहीं कराने पर महिला सलीम को झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दे रही थी। युवक द्वारा आत्महत्या करने के बाद पुलिस ने रालोद नेता लियाकत व महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि आरोपी लियाकत निवासी ईदगाह रोड कॉलोनी व महिला को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया है। आरोपी असलम की तलाश में पुलिस की तीन टीम दबिश दे रही हैं, जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मूक शब्द ना होने से नही मिल रहे मूक बधिरों को रेलवे रियायती कार्ड

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बधिर संस्था के सदस्यों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर बताया है कि मूक - बधिरों के दिव्यांग प्रमाण पत्र पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मूक शब्द अंकित नहीं किया जाता है, केवल बधिर अंकित किया जाता है जिस वजह से मूक बधिर दिव्यांगजन रेलवे में रियायत लेने से वंचित रह जाते है।

बार- बार शिकायत के बाबजूद भी कोई सुनने वाला नहीं है। ज्ञापन में कहा गया है कि रेलकर्मियों ने पूंछने पर बताया कि नियमानुसार मूक बधिर अंकित होना अनिवार्य है अन्यथा आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाएगा। बधिर संस्था ने जिलाधिकारी द्वारा संचालित दिव्यांग समिति की बैठक में भाग लेने हेतु गाजियाबाद बधिर संस्था के महासचिव प्रदीप कुमार को नामित किए जाने की भी मांग की है। ज्ञापन देने वानों में राजीव कम्बोज बाइस चेयरमैन, प्रदीप कुमार महासचिव, मनीषा सांकेतिक भाषा अनुवादक, सदस्य संजय कुमार, अमित शर्मा व रविंद्र मौजूद रहे।

व्यापार मंडल व आरडब्ल्यूए ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

राहुल अपने बयान के लिए माफी मांगें : पूर्व पार्षद हेमलता शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बुधवार को व्यापार मंडल एवं आरडब्ल्यूए के सदस्यों ने लोकसभा में हिन्दू धर्म को हिंसक बोलने पर सांसद राहुल गांधी का पुतला फूंका। इस अवसर पर पूर्व पार्षद हेमलता शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी को कोई हक नहीं है पूरे हिन्दू धर्म को हिंसक बोलने का, वो अपने इस बोल पर सारे हिंदुओं से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में बचकाना हरकतें करते रहे हैं अब फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वो अपनी आदतों से बाज नहीं आएंगे। आलोक शर्मा अध्यक्ष व्यापार मंडल ने कहा कि राहुल गांधी खुद भी हिंदू हैं वो सभी हिन्दुओं को हिंसक कैसे कह सकते हैं।

गणमान्य लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर आशुतोष शर्मा पूर्व पार्षद, धीरेंद्र सिंह, गोविंद चौधरी, राहुल तोमर, कमलेश त्रिवेदी, संजय चौहान, अनुज शर्मा, रवि कुमार, पंकज जैन, काली बाबू, प्रतीक, केशव, एम एन दुबे, भारत भूषण, विजय पाल त्यागी, राहुल उपाध्याय, अनिल कुमार, आर पी साहनी, सुजीत कुमार, रोहित शर्मा, अनिल तिवारी, अंकित अरोड़ा, राजकिशोर मिश्रा, प्रीति महाजन, नीरू तोमर, पिंकी सिंह, शालिनी जैन, सोनिया विज, सिमरन पन्नू, चंद्रा कुमारी, प्रियंका अरोड़ा, मीनू श्रीवास्तव, गंगा कुमारी, ऋतु सक्सेना आदि मौजूद रहे।

पाखंड व अंधविश्वास हिंदू धर्म के सबसे बड़े दुश्मन : अजय गुप्ता

हाथरस कांड के जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

गाजियाबाद ,करंट क्राइम। राष्ट्रीय उद्योग व्यापार मंडल ने हाथरस जिले के कस्बा सिकंद्राराऊ में पाखंड व अंधविश्वास का चक्रव्यूह रचने वाले बाबा नारायण साकार हरि के सत्संग में भगदड़ मचने से मारे गये लगभग 150 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी अजय गुप्ता ने कहा है कि एक ओर तो इस घटना के बाद बाबा नारायण साकार हरि भूमिगत हो गया है तो इस भयाभय घटना के बाद मृतकों के परिजनों को सांत्वना देने के बजाय विपक्षी दल राजनीति करने में व्यस्त हो गये हैं। अजय गुप्ता ने कहा है कि पाखंड

व अंध विश्वास हिंदू धर्म के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने प्रदेश की योगी परकार से ऐसे पाखंड और अंध विश्वास फैलाने वाले कार्यक्रमों पर रोक लगाने की मांग की है। श्री गुप्ता ने कहा है कि आखिर कौन होगा इस हृदय विदारक घटना का जिम्मेदार। अजय गुप्ता ने कहा है कि भोले बाबा उर्फ नारायण साकार पर कठोर कार्रवाई प्रदेश सरकार द्वारा करनी चाहिए। ऐसी हृदय विदारक घटना पर विपक्षी दलों को अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने की जगह मृतक परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करनी चाहिए। मृतक लोगों के परिवार के प्रति आखिर कब तक धर्म के नाम पर पाखंड जैसे कार्यक्रमों में लोगों की बलि चढ़ती रहेगी, इस पर रोक लगाना अति आवश्यक है।

हाथरस मृतकों की आत्मिक शांति के लिए प्रार्थना की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बुधवार को ग्राम भनेड़ा कला पोस्ट नगला आखू मोदीनगर में कंडेरे करण समाज कल्याण समिति के तत्वावधान एवं वीरेंद्र कंडेरे के नेतृत्व में हाथरस कांड में मारे गए दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना की गई। इस अवसर पर पूर्व प्रधान सतपाल त्यागी, लीलू त्यागी, देवेंद्र कंडेरे, अनुज त्यागी, अमरीश त्यागी, संदीप शर्मा, ऋषि शर्मा, सुनील त्यागी, नरेंद्र त्यागी, भूरे त्यागी, विकास त्यागी, भोमिया महाराज व सोमनाथ आदि मौजूद रहे।

कम्पोजिट विद्यालय से एलईडी टीवी चोरी , रिपोर्ट दर्ज

मुरादनगर,करंट क्राइम । नगर क्षेत्र के गांव असालतनगर स्थित कम्पोजिट विद्यालय में बदमाश एलईडी टीवी चोरी करके ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरी करने वाले बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। गांव असालतनगर स्थित कम्पोजिट विद्यालय की प्रधान अध्यापिका ममता देवी ने बताया कि एक जुलाई को काफी समय बाद स्कूल खुला। जब सुबह के समय स्कूल में पहुंचे तो एक कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। कमरे से एलईडी टीवी गायब था। उन्होंने बताया कि बदमाश कमरे का ताला तोड़कर टीवी चोरी करके ले गए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

किस एसीपी को मिली कांवड़ यात्रा की कमान

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में लगातार कांवड़ यात्रा को लेकर बैठकों और प्लानिंग का दौर चल रहा है। कांवड़ वाली यात्रा को लेकर बीते दिनों खुद महाराज जी के दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। सूत्रों से जानकारी मिली है कि मंगलवार को साहब ने एक एसीपी को कांवड़ यात्रा की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंप दी है। वहीं पुलिस सूत्रों से सुनने में आया है कि इससे पहले इन एसीपी साहब को 112 वाला प्रभार भी अतिरिक्त रूप से सौंपा गया था। सवाल उठ रहा है कि पहले इन वाले साहब को सर्किल से चल ता किया गया और अब इन पर फिर भरोसा जताकर एक के बाद एक जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। पुलिस से सुनने में आया है कि एसीपी साहब के साथ ही एक थ्री-स्टार को भी कांवड़ यात्रा से संबंधित जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में बड़े साहब लगभग एक महीने पहले ही तैयारी को लेकर प्लान बना चुके हैं। तो वही कांवड़ यात्रा के लिए एक दर्जन से अधिक ऐसे बिंदुओं को लेकर भी फोकस करवाया जा रहा है ताकि उस वक्त किसी प्रकार की कानून व्यवस्था औ और पुलिस के लिहाज से इसे बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उधर पुलिस कमिश्नरट वाले सूत्र बता रहे हैं कि जिम्मेदारी देने के पीछे की कहानी किसी को समझ नहीं आ रही है। उधर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम वाले सूत्र बता रहे हैं कि अगर आने वाले दिनों में एसीपी स्तर के अधिकारियों को लेकर कोई अदला-बदली वाली स्कीम नहीं चली तो कई और जिम्मेदारी भी इस एसीपी को मिल सकती है। बताया जा रहा है जिस एसीपी पर आजकल बड़े साहब एक के बाद एक भरोसा जता रहे हैं वह सिटी से लेकर देहात तक कई सर्किल की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। साथ ही छुट्टी पर जब कोई एसीपी जाता है, तो उनको ही मजबूत कंधों पर यह अस्थाई रूप से जिम्मेदारी दी जाती है। कुल मिलाकर बताया जा रहा है कि एसीपी को बीते दो प्रमुख मामले में जिम्मेदारी सौंपे जाने के कई तरीके के संकेत भी लगाए जा रहे हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया है कि जिन दो एसीपी को लेकर साहब का मन प्रसन्न हुआ था, उनके कास्ट कांबिनेशन को लेकर फिर सवाल ना उठे थे तो मामला अब होल्ड से बोल्ड की ओर वाला कर दिया गया है। देखना होगा ट्रैफिक से लेकर अन्य अनुभव जुटा चुके एसीपी साहब क्या रंग जमाते हैं।

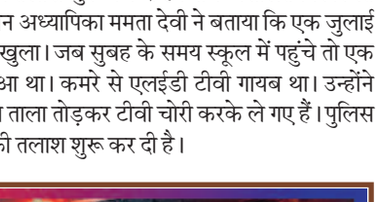

उड़ीसा से गांजा लाकर शहर में कर रहे थे सप्लाई, 2 गिरफ्तार

हापुड। जिले की गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी उड़ीसा से गांजा लाकर भारी मुनाफे पर एनसीआर (ठउफ) क्षेत्र में बेचते थे। पुलिस ने नशे के सौदागरों से करीब 15 लाख रूपए का 100 किलो गांजा, तीन मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल स्कौड़ा कार बरामद की है।

दरअसल, गढ़मुक्तेश्वर सर्किल के डीएसपी आशुतोष शिवम ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को गढ़मुक्तेश्वर पुलिस दौताई गंग नहर पुलिस वाहनों की चैकिंग कर रही थी। तभी एक स्कौड़ा कार में सवार दो गांजा तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो कार में बनाए गए गुप्त जगह पर करीब 100 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान नशे के सौदागरों ने पुलिस को बताया कि तस्कर उड़ीसा से कार में छिपाकर गांजा लाकर एनसीआर ठउफ) आदि क्षेत्रों में सप्लाई करते है। उन्होंने बताया कि तीन गुना दामों पर गांजे की सप्लाई करते है। जहां से छोटे-छोटे पैकेट में गांजा बेचा जाता है। मुनाफा का धंधा होने के कारण वे गांजा तस्करी से जुड़े थे।

पूर्व में जा चुके हैं जेल

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए नशे के सौदागर जिला मेरठ के थाना दौराला के गांव मौहम्मदपुर का बोबी और मुजफ्फरनगर के थाना छपार के गांव दतियाना का अनुज उर्फ भोला है। बोबी इससे पूर्व दो बार गांजा तस्करी में जेल जा चुका है।

नकली प्रोडक्ट का भंडाफोड़

नोएडा। नोएडा में नामी कंपनियों के नाम पर नकली दवाई में प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली दवाई व अन्य सामान बरामद किए है। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई कि और छापा मार कई बड़ी कंपनियों से मिलते जुलते प्रोडक्ट को जप्त किया। सेक्टर-10 में पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में टाइगर किंग क्रीम, नाइट गोल्ड क्रीम, मैनपॉवर क्रीम, यूनिट टाइम एंड ऑयल, कंप्रेसर मशीन, इलेक्ट्रिक पैकेजिंग मशीन, सीलिंग मशीन पाए गए। पुलिस ने यहां से अनीस अहमद उसके भाई मोहम्मद शमी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह टाइगर किंग प्रोडक्ट से मिलते-जुलते उत्पाद बनाकर उसे बाजार में बेच रहे थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ड्रग निरीक्षक चिकित्सा अधिकारी गौतमबुद्ध नगर को साथ लेकर सेक्टर-10 की कंपनी पर छापा मारा। इस दौरान यहां बड़ी संख्या में टाइगर किंग कंपनी के प्रोडक्ट से मिलते जुलते रैपर, होलोग्राम व बड़ी संख्या में दवाई व अन्य सामान बरामद हुआ।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली, करंट क्राइम। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रामजस दिल्ली के उपाध्यक्ष युग छावड़ा ने भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग से शिष्टाचार भेंट की और उनका मार्गदर्शन व आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर युग छावड़ा के साथ परिषद के अन्य कई सदस्य मौजूद रहे।

गोदाम से कीमती सामान और नकदी की चोरी

हापुड। जिले के थाना देहात क्षेत्र की गढ़ रोड पर स्थित लोहे के गोदाम में मंगलवार रात एक चोर टीन शेड काटकर गोदाम में घुस गया। आरोपी गोदाम से कीमती सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर की यह करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर पीड़ित गोदाम पर पहुंचा और पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक चोर रात के समय टीन शेड काट कर रस्सी डालकर गोदाम में घुस रहा है। रस्सी से नीचे उतरने के बाद वह दफ्तर में घुस गया, जहां उसने अलमारी का ताला तोड़कर नकदी चुरा ली और चोरी करने के बाद वह मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वापस जाते समय चोर अपनी चप्पल गोदाम में हीं छोड़कर फरार हो गया। बुधवार की सुबह जब गोदाम मालिक दीपक गर्ग गोदाम पर पहुंचे तो उन्होंने तुरंत पुलिस को मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी

मिलने पर सदर डीएसपी वरुण मिश्रा, थाना देहात प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। दरअसल, दीपक गर्ग का देहात क्षेत्र के हरपाल पैलेस के बराबर में लोहे का गोदाम है और चोर गोदाम में घुस आया और करीब 35000 की नकदी और अन्य कीमती सामान चुराकर फरार हो गया। थाना देहात प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गोदाम में चोरी होने की सूचना मिली थी। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और घटना के खुलासे के लिए तीन टीम को लगाया है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

पशु कटान पर पुलिस ने की छापेमारी ,पांच फरार, मांस बरामद

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र की रावली रोड स्थित कमेला चौराहे पर एक मकान में बिना अनुमति के पशु कटान पर पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पांच युवक पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस ने मांस बरामद कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि रावली रोड पर कमेला चौराहे पर एक मकान में अवैध रूप से पशु कटान किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस ने मौके पर जाकर उक्त मकान पर छापेमारी की कार्रवाई की। छापेमारी की कार्रवाई होते ही वहां पर भगदड़ मच गई। आरोपी मांस को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। एसीपी ने बताया कि पशु कटान करने वाले इमरान ,फरमान ,हारुन, आदिल कुरैशी व हाजी आसिफ निवासी व्यापारीयान कॉलोनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीम लगातार दबिश दे रही हैं।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

रूसी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर की बात

अस्ताना। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात की। जयशंकर ने रूस के युद्ध ग्रस्त इलाकों में मौजूद भारतीय नागरिकों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की।

युद्ध ग्रस्त इलाकों में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर चर्चा : जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा ह्यरूस के विदेश मंत्री के साथ अस्ताना में अच्छी मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय सहयोग और समसामायिक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान कई क्षेत्रों में प्रगति को लेकर भी चर्चा हुई। आखिरी बार हमारी मुलाकात वर्ष 2023 के दिसंबर महीने में हुई थी। मुलाकात के दौरान रूस के युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बात हुई। भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी को लेकर चर्चा की गई ह्ल दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात के दौरान वैश्विक रणनीति के क्षेत्र पर चर्चा की गई और आपसी विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

दो भारतीय नागरिकों की हुई थी मौत : आपको बता दें कि विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में दो भारतीय नागरिकों की मौत हुई। दोनों नागरिक रूस की सेना में नियुक्त किए गए थे। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विदेश मंत्रालय ने उन सभी भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी पर जोर दिया गया, जो रूसी सेना में कार्यरत हैं। बयान में कहा गया,ह्यभारतीय विदेश मंत्रालय और मॉस्को स्थित भारत के दूतावास ने दिल्ली स्थित रूसी दूतावास और मॉस्को स्थित रूस के अलग अलग विभागों के सामने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। रूसी सेना में काम कर रहे सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया ह्ल

रूस जाने से पहले एहतियात बरतें भारतीय नागरिक : विदेश मंत्रालय ने सभी भारतीय नागरिकों से कहा है कि रूस में रोजगार की तलाश में जाने से पहले एहतियात बरतें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मार्च में कहा था कि वे लगातार रूसी विभागों के संपर्क में हैं। उन्होंने रूस की सेना में कार्यरत भारतीय नागरिकों की जल्द से जल्द भारत भेजने की मांग की थी।

एस जयशंकर ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की

कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुश्किन पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्री के साथ भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद रहे। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी तस्वीर भी साझा की।

ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए आज मतदान

ऋषि सुनक समेत कई बड़े नेताओं के बीच टक्कर

लंदन। ब्रिटेन में कल यानी 4 जुलाई को आम चुनाव के लिए मतदान होना है। आम चुनाव में सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी और विपक्षी लेबर पार्टी में टक्कर है। हालांकि चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बहुमत मिलने का दावा किया जा रहा है। कंजर्वेटिव पार्टी का नेतृत्व ऋषि सुनक और लेबर पार्टी का नेतृत्व कीर स्टर्मर कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव में किन बड़े चेहरों पर पूरी दुनिया की निगाहें होंगी।

कीर स्टर्मर

लेबर पार्टी के नेता कीर स्टर्मर एक पूर्व मानवाधिकार वकील और मुख्य जन अभियोजक रह चुके हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बहुमत मिलने का दावा किया गया है। ऐसे में बहुत संभावना है कि ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री कीर स्टर्मर बन सकते हैं।

लेबर पार्टी के पूर्व नेता जेरेमी कोर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी वामपंथी की तरफ झुक गई थी। कीर स्टर्मर को पार्टी को फिर से मध्यमार्गी बनाने का श्रेय दिया जाता है।

ऋषि सुनक

कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक एक बार फिर देश का पीएम बनने की रेस में हैं। हालांकि सर्वे में बताया गया है कि इस बार उनकी राह बेहद मुश्किल है। अक्तूबर 2022 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने भारतीय मूल के ऋषि सुनक ब्रिटेन में बढ़ती महंगाई पर काबू करने का दावा कर रहे हैं, लेकिन उन पर कई वादों को पूरा न करने का आरोप भी लग रहा है, जिसके चलते उनके खिलाफ लोगों में नाराजगी भी है। सुनक, ब्रिटेन के पहले एशियाई और हिंदू प्रधानमंत्री हैं।

निगेल फरेज

यूरोपीय संसद के पूर्व सांसद 60 वर्षीय निगेल फरेज को ब्रिटेन की राजनीति के सबसे विभाजनकारी नेताओं में गिना जाता है। 2016 में ब्रिटेन के अधिकांश लोगों को यूरोपीय संघ छोड़ने के लिए वोट देने के लिए राजी करने में मदद करने के बाद उन्हें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिस्टर ब्रेग्जिट उपनाम मिला।

कल के चुनाव में वह आठवीं बार सांसद बनने की कोशिश कर रहे हैं। वे कट्टर दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके पार्टी के प्रमुख हैं। कई सर्वेक्षणों में दावा किया जा रहा है कि रिफॉर्म यूके पार्टी कई प्रमुख सीटों पर कंजर्वेटिव पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। फरेज पर नस्लवादी और समलैंगिक विरोधी बयान देने के भी आरोप लगते रहे हैं।

राष्ट्रपति चुनाव की दूसरी बहस में भी ट्रंप ने बाइडन को पछाड़ा

वाशिंगटन। बीते हफ्ते ही राष्ट्रपति चुनाव की पहली बहस के दौरान डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन पर भारी पड़े थे। अब एक बार फिर ट्रंप, बाइडन पर भारी पड़े हैं। दरअसल ट्रंप के प्रचार अभियान ने इस साल की दूसरी तिमाही में बाइडन के प्रचार अभियान की तुलना में 6.7 करोड़ डॉलर ज्यादा जुटाए हैं। ट्रंप के प्रचार अभियान ने दूसरी तिमाही में 33.1 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। वहीं इस दौरान बाइडन की प्रचार टीम सिर्फ 26.4 करोड़ डॉलर ही जुटा पाई है।

बहस में खराब प्रदर्शन का खामियाजा

अमेरिका में आगामी 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से जो बाइडन संभावित उम्मीदवार हैं। जल्द ही दोनों पार्टियों के सम्मेलन में ट्रंप और बाइडन के नाम पर अंतिम मुहर लग सकती है। आंकड़ों से पता चलता है कि अटलांटा में हुई पहली बहस का असर धन जुटाने के अभियान पर पड़ा है

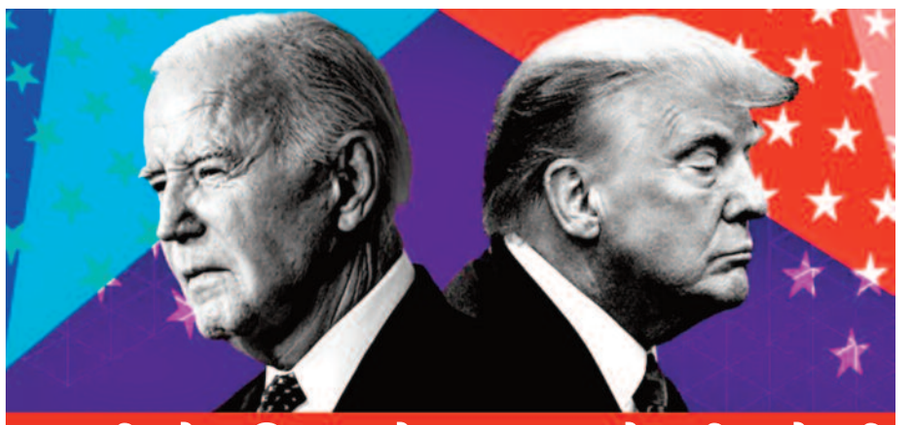

ट्रंप की लोकप्रियता में लगातार हो रही बढ़ोतरी

क्योंकि बहस के बाद ट्रंप की टीम ने 12.7 करोड़ डॉलर जुटाए हैं, वहीं बाइडन की प्रचार टीम सिर्फ 3.8 करोड़ डॉलर ही जुटा पाई है। बहस में ट्रंप, बाइडन पर भारी पड़े थे और खुद बाइडन ने भी यह बात स्वीकार की थी। इसके बाद डेमोक्रेट पार्टी में बाइडन की उम्मीदवारी के खिलाफ आवाजें भी उठीं। बाइडन के प्रचार अभियान के पास अभी 24 करोड़ डॉलर नकद हैं, जबकि पिछले महीने उनके पास 21.2 करोड़ डॉलर थे। वहीं जून के अंत में ट्रम्प की टीम के पास 28.4 करोड़ डॉलर नकद हैं। ट्रम्प अभियान से जुड़े लोगों ने कहा कि, राष्ट्रपति ट्रम्प का धन उगाही अभियान दिनों-दिन बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बाइडन की टीम ने टीवी, केबल और रेडियों पर प्रचार के लिए करीब 12 करोड़ डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन इसके बावजूद ट्रंप की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। वहीं बाइडन की टीम ने कहा कि जून महीने में 12.7 करोड़ डॉलर जुटाए गए, जो अब तक का सबसे अच्छा महीना रहा।

बाइडन ने शुरुआती बहस में खराब प्रदर्शन का ठीकरा विदेश यात्रा पर फोड़ा

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हाल ही में दोनों के बीच प्राथमिक बहस हुई थी, जिसमें कहा जा रहा कि बाइडन का प्रदर्शन काफी खराब रहा। अब यह बात खुद राष्ट्रपति ने मान ली है। हालांकि, अब खराब बहस का ठीकरा वह अपनी विदेश यात्रा पर फोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडन ने मंगलवार को अपने खराब बहस प्रदर्शन के लिए विदेश यात्रा को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह पिछले सप्ताह मंच पर लगभग सो गए थे। मैं बहुत ज्यादा होशियार नहीं था उन्होंने वर्जीनिया में अपने अभियान को दान देने वालों से कहा, मैं बहुत ज्यादा होशियार नहीं था।

भारतीय मूल के हरदम त्रिपाठी चुने गए रिपब्लिकन के वैकल्पिक प्रतिनिधि, राष्ट्रपति चुनाव में होगी अहम भूमिका

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता और अटॉर्नी हरदम त्रिपाठी को रिपब्लिकन पार्टी का वैकल्पिक प्रतिनिधि चुना गया है। उन्हें जुलाई में मिल्वौकी में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेन्शन (फ्छउ) के लिए के लिए वैकल्पिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

जुलाई में इस दिन होगा आरएनसी

78 वर्षीय ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से मैदान में हैं। उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी के 81 वर्षीय मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से है। विस्कोन्सिन के मिल्वौकी में चार दिवसीय रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को पार्टी का उम्मीदवार घोषित

करेगा। नामांकन प्रक्रिया देश भर से रिपब्लिकन प्रतिनिधियों द्वारा पूरी की जाएगी।

कौन चुने गए प्रतिनिधि : बता दें, रिपब्लिकन पार्टी की आजीवन सदस्य और रिपब्लिकन इंडियन काउंसिल व रिपब्लिकन इंडियन नेशनल काउंसिल की संस्थापक सदस्य डॉ. शिवांगी को लगातार छह बार आरएनसी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। वहीं, 14 जुलाई से 18 जुलाई तक मिल्वौकी में होने वाले आगामी रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में हरदम त्रिपाठी को एक वैकल्पिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

मेरे लिए सम्मान की बात : रिपब्लिकन पार्टी से लंबे समय से जुड़े त्रिपाठी ने कहा, 'आरएनसी में राष्ट्रीय प्रतिनिधि के तौर पर मैं पहली बार काम कर रहा हूं और अमेरिका में होने वाले ऐतिहासिक चुनाव में फ्लोरिडा के 15वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है।'

त्रिपाठी एक अमेरिकी इमिग्रेशन अटॉर्नी और ट्रिप लॉ में मैनेजिंग अटॉर्नी हैं, जो फ्लोरिडा में मुख्यालय वाली एक प्रमुख इमिग्रेशन लॉ फर्म है। उन्होंने अफगान अनुवादकों की सहायता की है, जिन्होंने राष्ट्रपति बाइडन के कार्यकाल के दौरान अफगानिस्तान से वापसी के दौरान अपने विशेष अप्रवासी वीजा प्राप्त करने और तालिबान से बचने के प्रयास में अमेरिकी सैन्य सेवा सदस्यों के साथ काम किया था।

भारत-पाकिस्तान के रिश्तों पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय की दो टूक

'आतंकवाद की हर देश को निंदा करनी चाहिए'

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रधान उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने आतंकवाद पर अपने देश का रुख साफ किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि ग्रह पर किसी भी देश को आतंकवाद की निंदा ही करना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर आई है। क्योंकि भारत ने हमेशा जोर दिया है कि पाकिस्तान के साथ आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते।

पटेल ने कहा कि भारत, अमेरिका, पाकिस्तान और भारत-अमेरिकी रिश्तों के बीच एक त्रिकोण है। संवाददाता ने पीएम मोदी का इरादा दोहराते हुए आतंकवाद और वार्ता का बिंदु छेड़ा तो पटेल ने कहा, अमेरिका दो पड़ोसियों में बातचीत का स्वागत करता है। लेकिन अंततः द्विपक्षीय

मामला है, इसलिए मेरे पास कुछ भी नहीं है।

भारत से कई क्षेत्रों में संबंध बढ़ा रहा अमेरिका

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, हम भारत के साथ विशेष रूप से आर्थिक संबंधों, सुरक्षा सहयोग को प्रगाढ़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन को कुछ हफ्ते पूर्व जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ देर मुलाकात करने का अवसर मिला था, जिसमें कई और क्षेत्रों में सहयोग गहराने की उम्मीद जताई गई। पटेल ने एनएसए जेक सुलिवन के नई दिल्ली दौरे का भी जिक्र किया।

भारत के सहयोग को कभी नहीं भूल सकते : हसीना

'बांग्लादेश-भारत संबंध दक्षिण एशिया के लिए मॉडल'

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध दक्षिण एशिया के लिए मॉडल के रूप में देखा जाना चाहिए। हसीना ने यह टिप्पणी भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान की। एडमिरल त्रिपाठी ने संसद भवन कार्यालय में हसीना से मुलाकात की।

नौसेना प्रमुख बांग्लादेश की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं : एडमिरल त्रिपाठी 30 जून से बांग्लादेश की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं। एडमिरल की इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा जुड़ाव को मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते तलाशने का है। दो महीने पहले नौसेना की कमान संभालने के बाद एडमिरल त्रिपाठी की यह आधिकारिक विदेश यात्रा है।

'बांग्लादेश में घर जैसा महसूस होता है' : त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें बांग्लादेश में उन्हें घर जैसा महसूस होता है क्योंकि प्रकृति के मामले में बांग्लादेश और भारत के बीच काफी कम अंतर है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों की नौसेनाओं ने एक अद्वितीय पेशेवर संबंध विकसित किया है, जहां अगर बांग्लादेश की नौसेना कोई सहयोग चाहती है, तो भारतीय नौसेना के पास 'नहीं' कहने का कोई विकल्प नहीं है। प्रधानमंत्री हसीना के प्रेस सचिव नईमुल इस्लाम खान ने उनके हवाले से कहा, बांग्लादेश और भारत ने बातचीत के माध्यम से कई समस्याओं का समाधान किया।

यह संबंध कई अन्य पड़ोसी देशों के लिए एक मॉडल और उदाहरण हो सकता है।

ब्रिटेन की राजनीति में बढ़ रहा भारतीय मूल के लोगों का दबदबा

लंदन। ब्रिटेन में गुरुवार को होने वाले आम चुनाव में अच्छी खासी संख्या में भारतीय मूल के सांसद जीतकर संसद पहुंच सकते हैं। माना जा रहा है कि ब्रिटेन की आगामी संसद देश के इतिहास की सबसे विविधतापूर्ण संसद हो सकती है, जहां अल्पसंख्यक वर्गों को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद है। ब्रिटेन के फ्यूचर थिंक टैंक की समीक्षा में ऐसा दावा किया जा रहा है। लेबर पार्टी से सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक वर्ग से सांसद चुने जा सकते हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों में दावा किया जा रहा है कि लेबर पार्टी को आगामी चुनाव में जनता का जबरदस्त समर्थन मिल सकता है।

इन सीटों पर भारतीय मूल के उम्मीदवार : इफोर्ड साउथ सीट से लेबर पार्टी के टिकट पर जस अटवाल, डर्बी साउथ सीट से बैगी शंकर, साउथंपटन टेस्ट से सतवीर कौर, हडर्सफील्ड सीट से हरप्रीत उप्पल चुनाव लड़ रहे हैं। इंदौर में जन्मे लंदन के पूर्व डिप्टी मेयर राजेश अग्रवाल लीसेस्टर ईस्ट सीट से पहली बार सांसद बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला ब्रिटिश भारतीय कंजर्वेटिव उम्मीदवार शिवानी राजा से है। इस सीट पर भारतीय मूल के मतदाताओं की अच्छी खासी तादाद है। इस सीट पर सभी की निगाहें लगी रहेंगी, क्योंकि यहां से लंबे समय तक सांसद रहे गोवा मूल के कीथ वाज भी इस बार बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। मध्य इंग्लैंड के वॉल्वरहैम्प्टन वेस्ट से सॉलिसिटर वारिंदर जूस और स्मेथविक से गुरिंदर सिंह जोसन लेबर पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार में जन्मे कनिष्क नारायण वेल्स से पहले भारतीय मूल के सांसद के रूप में चुने जाने की उम्मीद कर रहे हैं, और सोनिया कुमार डुडले में जीत हासिल करने में जुटी हैं।

नई संसद में 14% सांसद अल्पसंख्यक वर्ग से हो सकते हैं

थिंक टैंक के अनुसार, अगली संसद में 14 प्रतिशत सांसद अल्पसंख्यक वर्ग से हो सकते हैं। साल 2019 में हुए आम चुनाव में भारतीय मूल के 15 सांसद जीत हासिल कर संसद पहुंचे थे, उनमें से कई इस बार भी चुनाव मैदान में हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के आलोक शर्मा और लेबर पार्टी के विरेंद्र शर्मा इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इलिंग साउथहॉल सीट पर बड़ी संख्या में पंजाबी मूल के मतदाता हैं। यही वजह है कि इस सीट से भारतीय मूल के दो उम्मीदवार निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं, जिनमें संगीत कौर और जगिंदर सिंह का नाम शामिल है। इनके अलावा इसलिंगटन नॉर्थ सीट से लेबर पार्टी के टिकट पर प्रफुल नरगुंड चुनाव लड़ रहे हैं।

हाथरस हादसे में हुई मौतों से पुतिन आहत, राष्ट्रपति को भेजा शोक संदेश

विशेष। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने हाथरस सत्संग हादसे पर दुख जताया है। पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शोक संदेश भेजा है। उन्होंने लिखा, हादसे

में मारे गए लोगों के परिजनों को मेरी सहानुभूति एवं समर्थन व्यक्त करें, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बता दें कि यूपी के हाथरस में मंगलवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए। इस दुखद घटना पर पीएम मोदी समेत देश के तमाम राजनेताओं ने दुख जताया है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी यूपी में भगदड़ में हुई जानमाल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के धार्मिक आयोजन में भगदड़ मचने से 121 से लोगों की मौत हो गई। हाथरस भगदड़ में 100 से अधिक महिलाओं और सात बच्चों सहित कम से कम 121 लोग मारे गए और 28 अन्य घायल हो गए।

तोशाखाना से जुड़े विरोध मामले में इमरान खान को मिली राहत, अदालत ने किया बरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिली है। दरअसल, तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में चुनाव आयोग द्वारा जेल में बंद प्रधानमंत्री को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ प्रदर्शन करने पर उन पर और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। अब अदालत ने दर्ज मामले में खान और उनके सहयोगियों को बरी कर दिया है।

किन लोगों को मिली राहत : इस मामले में जिला एवं सत्र अदालत ने जिन अन्य नेताओं को बरी किया है, उनमें शाह महमूद कुरैशी, शेख रशीद, असद कैसर, शहरयार अफरीदी, फैसल जावेद, राजा खुर्रम नवाज और अली नवाज अवान शामिल हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट यासिर महमूद ने बुधवार को सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। इस

फैसले को पिछले हफ्ते सुरक्षित रखा गया था।

साल 2022 में हुआ था केस दर्ज: पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक खान और अन्य राजनेताओं के खिलाफ 2022 में पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) तोशाखाना भ्रष्टाचार के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए आबपारा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इस केस के चलते खान को प्रधानमंत्री पद से अयोग्य घोषित करार किया था।

क्या है तोशाखाना मामला?

दरअसल, पाकिस्तान के कानून के अनुसार किसी विदेशी राज्य के गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त कोई भी उपहार स्टेट डिपॉजिटरी यानी तोशाखाना में रखना होता है। अगर राज्य का मुखिया उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो उसके लिए उसे इसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करना होगा। यह एक नीलामी की प्रक्रिया के जरिए तय किया जाता है। ये उपहार या तो तोशाखाना में जमा रहते हैं या नीलाम किए जा सकते हैं और इसके माध्यम से अर्जित धन को राष्ट्रीय खजाने में जमा किया जाता है।

कहानी इमरान के प्रधानमंत्री रहते हुए शुरू हुई थी। 2018 में सत्ता में आए इमरान खान को आधिकारिक यात्राओं के दौरान करीब 14 करोड़ रुपये के 58 उपहार मिले थे। इन महंगे उपहारों को तोशाखाना में जमा किया गया था। बाद में इमरान खान ने इन्हें तोशखाने से सस्ते दाम पर खरीद लिया और फिर महंगे दाम पर बाजार में बेच दिया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने सरकारी कानून में बदलाव भी किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान ने 2.15 करोड़ रुपये में इन गिफ्ट्स को तोशखाने से खरीदा था और इन्हें बेचकर 5.8 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा लिया।

इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री- डे : निगम का पॉलिथीन के खिलाफ अभियान

वितरित किए कपड़े के थैले, वसुंधरा-वैशाली-सूर्य नगर में 39 हजार का वसूला जुर्माना, 8 किलो पॉलिथीन जब्त

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने प्लास्टिक मैन्युफैक्चर पर कार्रवाई के दिये निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री- डे के अवसर पर नगर निगम द्वारा पांचों जोन में प्लास्टिक का बैग इस्तेमाल न करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया गया। कई स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया जिसमें प्लास्टिक रूपी दानव का बहिष्कार करने की अपील की गई। सिटी जोन- कविनगर सी ब्लॉक मार्केट, घंटाघर व बजरिया मार्केट, मोहननगर जोन- राजेंद्र नगर, लाजपत नगर मार्केट, वसुंधरा जोन- वैशाली, सूर्य नगर मार्केट, विजयनगर प्रताप विहार व अन्य मार्केट में प्रतिबंधित प्लास्टिक का बहिष्कार हेतु जागरूक किया गया तथा पॉलिथीन के बैग का इस्तेमाल न करने की अपील की गई।

वसुंधरा जोन अंतर्गत रोस्टर के तहत प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान चलाया गया। व्यापारियों ने सहयोग भी किया, लगभग 8 किलो पॉलिथीन जब्त की गई तथा 39000 का जुर्माना वसूला गया। जोनल प्रभारी ने बताया कि नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा निगम क्षेत्र को प्लास्टिकमुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है जिसमें अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इंटरनेशनल प्लास्टिक बैग फ्री- डे पर साथी फाउंडेशन ने सहयोग किया तथा कविनगर जोन अंतर्गत अभियान चलाया गया जिसमें कपड़े के थैले वितरित किए गए। नगर आयुक्त द्वारा जोनल प्रभारी को अपने-अपने जोन में प्रतिबंधित प्लास्टिक मैन्युफैक्चर पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने स्मार्टकेयर मॉनिटरिंग प्रोग्राम लॉन्च किया

साहिबाबाद, करंट क्राइम। डॉक्टर्स डे के अवसर पर कौशाम्बी स्थित यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने 'स्मार्टकेयर मॉनिटरिंग प्रोग्राम' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य प्रिवेंटिव और प्रोएक्टिव देखभाल को बढ़ावा देना है। डोजी की एआई-आधारित कांटेक्टलेस रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग (आरपीएम) और अर्ली वॉर्निंग सिस्टम (ईडब्ल्यूएस) को सभी वार्ड बेड्स में शामिल करके अस्पताल चिकित्सा सुरक्षा को बढ़ाता है और बेहतर मरीज परिणामों की दिशा में कदम बढ़ाता है।

अस्पताल का डेटा-ड्रिवन तकनीक का उपयोग कर मरीज की सुरक्षा और स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने का प्रतिबद्धता प्रकट होती है। डोजी के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मी हृदयगति, श्वसन दर, रक्तचाप, एसपीओ 2 स्तर, तापमान और ईसीजी जैसे मरीजों के महत्वपूर्ण संकेतों की दूरस्थ निगरानी कर सकते हैं। डोजी की अर्ली वॉर्निंग सिस्टम (ईडब्ल्यूएस) महत्वपूर्ण संकेतों की प्रवृत्तियों को ट्रैक करती है और स्वास्थ्य प्रदाताओं को किसी भी संभावित चिकित्सा गिरावट का जल्दी पता लगाने और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप की अनुमति देती है। यह तकनीक मरीजों की सुरक्षा, चिकित्सा परिणामों और संचालन कुशलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है।

हमारा मुख्य उद्देश्य मरीज की सुरक्षा : डॉ. उपासना अरोड़ा

यशोदा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की प्रबंध निदेशक, डॉ. उपासना अरोड़ा ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य मरीज की सुरक्षा और सहानुभूति पूर्ण देखभाल करना है। डोजी के उन्नत तकनीक और एआई-चालित समाधानों के माध्यम से, हम अपने स्वास्थ्यकर्मियों को वास्तविक समय में मरीजों के महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी करने की क्षमता प्रदान कर रहे हैं।

कुछ यूं निभाया सपा वालों ने भगवा दल वाले कुंजन शर्मा का साथ जब शिकायत को बीजेपी वाले नहीं आए आगे तो जीतू ने उठाई आवाज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जब भाजपा संगठन और पार्टी के किसी भी जनप्रतिनिधि ने साथ नहीं दिया तब समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष जीतू शर्मा पीड़ित भाजपा नेता कुंजन शर्मा की मदद को आगे आये। विदित हो कि भाजपा नेता कुंजन शर्मा के प्रताप विहार स्थित शर्मा फोटो स्टूडियो में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण के नाम पर तोड़फोड़ की गई, तोड़फोड़ के बाद कुंजन शर्मा ने भाजपा नेताओं से निगम की कार्रवाई पर हस्तक्षेप की गुहार भी लगाई लेकिन एक भी भाजपाई उनके साथ खड़ा दिखाई नहीं दिया। जब अपने ही दल से मायूसी और निराशा हाथ लगी तब कुंजन शर्मा ने समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष पं0 जीतू शर्मा से सम्पर्क साधा। इस मामले में जीतू शर्मा ने दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया और सयुस का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलने पहुंचा। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट से भेंट कर सपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष पं0 जीतू शर्मा ने भाजपा नेता कुंजन शर्मा की पीड़ा को उनके सामने बड़ी मुखरता से रखा। साथ ही नगर निगम के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर अपने पत्र में अधिकारियों की जांच की बात कही और कुंजन शर्मा को न्याय दिलाने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर गणमान्य लोग रहे मौजूद

प्रतिनिधिमंडल में जीतू शर्मा के साथ प्रदेश सचिव युवजन सभा शाकिर हुसैन मुश्ताक, जिला उपाध्यक्ष अकरम सलमानी, एडवोकेट सुदेश शर्मा, एडवोकेट किरण शर्मा, जिला सचिव युवजन सभा आरिफ सलमानी, जिला सचिव फारुख खान, मुकेश कुमार जाटव, रोबिन सिंह, अक्षय प्रताप सिंह और नीरज कुमार मौजूद रहे ।

यति नरसिंहानंद ने जगद्गुरु अविमुक्तेश्वरानंद से धर्म संसद के लिए मांगा समर्थन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने विश्व धर्म संसद की मुख्य संयोजक डॉ. उदिता त्यागी, परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक व सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित पवन कृष्ण शास्त्री के साथ जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामीअविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज से उनके कनखल स्थित आश्रम में भेंट करके उनसे शिवशक्ति धाम डासना में 17,18,19,20 और 21 दिसम्बर को होने वाली विश्व धर्म संसद के लिये समर्थन और सहयोग मांगा।

यह विश्व धर्म संसद सम्पूर्ण विश्व में फैल चुके इस्लामिक जिहाद से पीड़ित मानवों की पीड़ा सम्पूर्ण विश्व के सामने लाने के लिये आयोजित की जा रही है।

जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज ने महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी से विश्व धर्म संसद के हर सम्भावित पहलू पर चर्चा की और यथा सम्भव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि सनातन धर्म हर तरह के अन्याय और अत्याचार का विरोध करता है। सैद्धांतिक रूप में विश्व धर्म संसद एक उत्कृष्ट कार्य है जिसे हम सबको मिलकर करना ही चाहिए।

नगर निगम की गलत नीतियों से जनहित प्रभावित होते हैं : राजेंद्र त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम की नीतियां पारदर्शी ना होने के कारण जनहित प्रभावित होते हैं। निगम अधिकारी नगर विकास के एक्ट के अनुरूप अपनी योजनाओं को अमली जामा पहनाने में ढुलमुल रवैया अपनाते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने निगम की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए आरोप लगाया है कि निगम अधिकारी टैक्स से अर्जित धनराशि से ही नगर निगम की गतिविधियां चलाना चाहते हैं जबकि ऐसे अन्य कई श्रोत भी हैं जिनसे शहर का विकास किया जा सकता है। राजेंद्र त्यागी ने पत्रकारों को जानकारी दी कि नगर निगम के अधिकारी संपति नियमावली और नगर निगम अधिनियम के विपरीत जाकर टैक्स में तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि करने की हठ किये हुए हैं, यही कारण है जो शहर के नागरिक निगम की गलत कार्ययोजना के कारण शोषण का शिकार होते हैं। राजेंद्र त्यागी का कहना है कि गाजियाबाद नगर निगम ने वर्ष 2001-02 से ही निगम सदन द्वारा नगर निगम अधिनियम की धारा 174 ख के तहत संपति कर निर्धारण के लिए किराए के रेट तय किए थे उसी के आधार पर निगम ने रमतेराम रोड़ पर शोपिंग काम्पलैक्स बनाया जिसकी लागत 27.33 करोड़ रूपए थी। इसी तरह नेहरूनगर में ऑडिटोरियम बनाया जिसके निर्माण में 58.85 करोड़ रूपए खर्च किए गए। दोनों की कुल लागत 86.18 करोड़ रूपए होती है। आज तक नगर निगम इन दोनों संपत्तियों को डीएम सर्किल रेट के हिसाब से किराए पर नहीं उठा पाया है। नगर निगम की ऐसी कई अनिमितताओं को राजेन्द्र त्यागी ने उजागर किया है। राजेंद्र त्यागी ने कहा है कि टैक्स को लेकर अगर निगम अपनी नीतियों में बदलाव नहीं लायेगा तो नागरिकों पर बेवजह का बोझबढ़ता जायेगा।

एक्ट के अनुसार नहीं बनाता है निगम कार्ययोजना

करंट क्राइम। पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी का कहना है कि नगर निगम आज तक अपनी संपत्ति को डीम सर्किल रेट से किराए पर उठा नहीं पाया है मगर नागरिकों से इसी हिसाब से टैक्स चाहता है। नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 174 क, खवग के अनुसार समयानुसार, 25, 32.5 व 40 प्रतिशत की छूट मिलनी चाहिए जो गाजियाबाद नगर निगम अब तक भी नहीं दे रहा है। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संपत्ति टैक्स की गणना में कारपेट एरिया आधारित रेट नियम से ज्यादा लेता है।

विक्रम एन्क्लेव व श्याम पार्क में नालों के ऊपर बने रैंपों को हटाया गया

साहिबाबाद,करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर मोहननगर जोन के अन्तर्गत विक्रम एन्क्लेव एवं श्याम पार्क एक्सटेंशन में नालों के ऊपर बनाये गये रैंपों को तोड़कर हटाया गया। नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में ही आगाह करते हुए 3 लुलाई का समय निर्धारित कर रखा था।

अतिक्रमण जोनल प्रभारी आर पी सिंह के नेतृत्व में हटाया गया जिसमें नाले के ऊपर बने पक्केरैंप को नगर निगम की संयुक्त टीम की उपस्थिति में हटवाया गया। अतिक्रमण हटाए जाने के बाद पुनः अतिक्रमण न हो इसके लिए सहायक पुलिस आयुक्त एवं थानाध्यक्ष को भी पत्र लिखकर सूचित किया गया है। मौके पर अवर अभियंता निर्माण विनोद कुमार ,राजस्व निरीक्षक धनवीर सिंह,अनुज राणा ,प्रमोद रावल एवं ललित कुमार, सफाई निरीक्षक नरेश कुमार एवं अन्य त्वरित बल स्टाफ उपस्थित रहा । अभियान में ईटीएफ का भी विशेष सहयोग रहा।

संक्रामक रोगों से बचाव के लिए किया कार्यक्रम

साहिबाबाद, करंट क्राइम। दस्तक अभियान के तहत मकनपुर गांव में पार्षद राधेश्याम त्यागी द्वारा संक्रामक रोगों से बचाव हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मकनपुर डिस्पेंसरी की मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर स्मृति शर्मा ने लोगों को डेंगू से रोकथाम के बारे में एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी भवतोष शंखधर ,एडिशनल सीएमओ डॉ. राकेश गुप्ता,जिला मलेरिया अधिकारी जी के मिश्रा एवं नरेंद्र व रजत उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीएमओ ने एवं मलेरिया अधिकारी मिश्रा ने डेंगू से रोकथाम बचाव एवं जागरूकता के सुझाव दिए।

हाथरस त्रासदी पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें : विजेंद्र यादव

गाजियाबाद,करंट क्राइम। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव बिजेंद्र यादव ने एक बयान जारी कर कहा है कि हाथरस में जो भीभत्स त्रासदी हुई है और सबा सौ से अधिक श्रद्धालु मौत के आगोश में चले गए। इस सब की जिम्मेदारी जहां हाथरस प्रशासन की है वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। नैतिकता दिखाते हुए उत्तर प्रदेश के मुखिया को अपनी लचर प्रशासनिक व्यवस्था के लिए प्रदेश और देश की जनता से और मृतक परिवारों के लोगों से माफी मांगनी चाहिए और अपने पद से से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

कार ने बाइक सवार दंपति को मारी टक्कर , हालत गंभीर

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में बस स्टैण्ड़ के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दम्पति को कुचल दिया। गंभीर हालात में दम्पति को गाजियाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। मेरठ के शास्त्रीनगर कॉलोनी निवासी सुरेश चंद्र त्यागी अपनी पत्नी अनिता त्यागी के साथ गाजियाबाद के गांव मोरटी से वापस मेरठ की ओर जा रहे थे। जब वह दिल्ली मेरठ मार्ग पर बस स्टैण्ड़ के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दंपति काफी दूर जा गिरे। सूचना पर मौके पर पहुंचे लोगों ने दोनों को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन हालत गंभीर होने पर दोनों को गाजियाबाद के लिए रेफर कर दिया गया। मोहित त्यागी ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

निगम ने वसुंधरा जोन में हटाया अवैध अतिक्रमण, नगर आयुक्त को पेश की रिपोर्ट

खूब चला बुलडोजर, अवरुद्ध मार्गों को कराया खाली

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम द्वारा लगातार अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में निगम ने वसुंधरा जोन में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया गया, मार्केट एरिया में अवरुद्ध मार्गों को खाली कराया गया। दुकानों के बाहर बने हुए अवैध रूप से रैंप को भी हटाया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर निगम सख्त कार्रवाई कर रहा ह। जोनल प्रभारी वसुंधरा एस के राय द्वारा बताया गया कि वसुंधरा सेक्टर 16 बी की शिकायत के अनुसार सड़क पर पक्का निर्माण किया गया था जिसके लिए कई बार अवैध निर्माण करने वाले को नोटिस भी जारी किया गया। वसुंधरा सेक्टर 16 बी में 241/242 पर किए गयेअवैध पार्क के निर्माण को बुलडोजर के माध्यम से हटाया गया। गाजियाबाद 311 ऐप तथा आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान हो रहा है। नगर आयुक्त द्वारा प्रतिदिन जन समस्याओं के समाधान पर हो रही कार्यवाही की खुद मॉनिटरिंग की जा रही है। वसुंधरा में भगवती बर्तन, राहुल डेयरी, बीकानेर व अन्य के बाहर अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के उस वार्ड में पौधो को लेकर उलझ गए फूल वाले? क्या हो गया फोटो फ्रेम में आने को लेकर कोई सीन? क्या उस धरा वाले नही चाहते थे कि वो हमारी धरा पर आकर लगाए कोई नया पौधा? पौधारोपण वाले कार्यक्रम में हुआ एक दूसरे पर दोषारोपण?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा देवतुल्य पंडित जी की पीड़ा रही पांचवें दिन भी जारी? उठ गया दूसरी दुकानों का मलबा लेकिन उनकी दुकान के आगे अब भी पड़ी है ढेरी? क्यों कहा कहने वाले ने कि जो आज खामोश तमाशा देख रहे हैं कल उनकी भी आएगी बारी? आना चाहिए था लीडरों को देवतुल्य की पीड़ा में उसके साथ? आखिर इन्ही देवतुल्यों ने की है दिन रात भाजपा जिंदाबाद? कोई तो आता और कहता कि हम है तुम्हारे साथ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जन मुद्दो को लेकर भगवागढ़ में क्यों खामोश रहते हैं हाथी वाले महावत? जनता के बिना नहीं होती जन राजनीति क्या उन्होंने नही सुनी ये कहावत? माना कि फॉलो करने है सुप्रीमो के रूल और रेगुलेशन? लेकिन वो इस बात का भी रखे ध्यान कि आ रहा है शहर में इलेक्शन? इस बार बताएगी हाथी को मिले वोटो की मात्रा? कितनी लंबी और कितनी मजबूत रहने वाली है यूपी के सियासी पथ पर एलिफेंट की यात्रा?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जिसने ओढ़ लिया था लोकसभा चुनावों से पहले ही भगवा पटका? अब उस निगम पार्षद को क्यों लग रहा है अपनी सियासत में खटका? वो खोल चुके हैं फूल वालों के सामने ही अपनी जुबान? इससे ज्यादा तो करा लेता था मैं अपने वार्ड में बिना भगवा हुए ही काम? क्या कह दिया कि बेकार ही रहा हमारा सरकार में आना? ये समझ लो भाई साहब पॉवर के नाम पर नही है यहां 12 बीघे में दाना?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि अब हैंडपंप वाले नही ले रहे बाई इलेक्शन में कोई इंटरेस्ट? सरदार जी को भी आ रहा है इलेक्शन की चर्चा से ज्यादा प्रोफेशन में इंटरेस्ट? वरिष्ठ प्रतिष्ठित सरदार जी समझते हैं सियासत में सम्मान की परिभाषा? इसलिए फिलहाल वो नही पाल रहे चुनाव की कोई आशा?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जब भगवा कुंजन के मुद्दे को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे समाजवादी? तब ये सिपैथी अच्छी लगी भगवा देवतुल्य को? कहा उन्होंने एक व्यापारी समझ कर दिया तो सही मेरा साथ? मैं रखूंगा इस घड़ी में उनका दिया गया ये साथ? क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा कर्णधारों को ऐसे में आना चाहिए था अपने कार्यकर्ता के साथ? उठानी चाहिए थी सबको मिलकर कुंजन पंडित की आवाज?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि वो जो सदन में 73 की तादाद में छाए हुए हैं? क्या मिल रहा है उनके छा जाने का जनता को लाभ? हाउस टैक्स कम नहीं हुआ और रोज तोड़ रहा है पीला पंजा बीच बाजार? अगर बहुमत में रहकर भी नही सुन रहा कोई आवाज? क्या फायदा जीत कर आने का और भगवा झंडा उठाने का? कहने वाले ने कहा कि अगर पार्षद दिखाते जनहित पर एकजुटता?तो मिलती जनता को भी राहत और पार्षदों का भी जलवा दिखता?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि किंग वाली सिटी में योग को लेकर कोई कर रहा था अंदर खाने अलग ही प्रयोग? सुना है आ गए फिर फ्रंट पर मोहल्ले के ही लोग? डट गए रात में और हटे तब जब बन गया शेड वाला योग? सुना है भगवा वाले ही यहां बना रहे थे माहौल? कहानी में ट्विस्ट आ गया तब जब भगवा नागरिकों ने ही दिया मोर्चा खोल? क्या किंग सिटी वाले इस वार्ड में चल रहा है सीन कुछ हार्ड?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा चौहान वाले वार्ड में क्यों ले रही है दूसरे वार्ड की पार्षद इतनी रुचि? वो क्यों बना रहीं हैं उम्मीदवार के नाम की सूची? किस भाजपाईन ने कहा बेकार है ये फसाना? आप ये समझो कि इस बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना? टिकट देना संगठन का काम है और संगठन को क्या बताना? जिसे भी पार्टी टिकट देगी हमे तो उसी को है चुनाव लड़वाना?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि ऐसा लग रहा है जैसे केवल फूल वाले ही लड़ेंगे शहर विधानसभा चुनाव? वार्ड वाले चुनाव को लेकर भी मच रहा है फूल वालों में ही शोर? क्या कांग्रेस सपा बसपा ने कर दिया है इस वार्ड में भी सरेंडर? केवल फूल वाले ही दावेदारी कर रहे हैं फूल वाले ही हुंकार भर रहे हैं और विपक्ष वाले बस अभी तमाशाई बने हुए देख रहे हैं?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दैनिक करंट क्राइम
पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अजय गुप्ता रमा गुप्ता ने अपनी पुत्रवधु शिल्पी गुप्ता के जन्मदिन पर विशेष शब्दाशीष के साथ आशीर्वाद दिया। शब्दों में पुत्रवधु की महिमा को संस्कृति सेवा से बताया। लिखा कि हमारे वंश को आगे बढ़ाने वाली,हमारे घर की लक्ष्मी,हमारी पुत्रवधु शिल्पी गुप्ता पत्नी आयुष गुप्ता को जन्मदिन की बधाई शुभकामनाएं व आशीर्वाद और बहुत बहुत प्यार। तुम सदा ऐसे ही हंसी मुस्कुराती हमारे परिवार की गरिमा को हमेशा चहकाती रहो। स्नेह आशीर्वाद शुभाशीष से परिपूर्ण यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।